मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 25
शुक्रवार, 31 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

संसद ने वंदे मातरम बिल को मंजूरी दी, राज्यसभा में Anti-Paper Leak Bill पर चर्चा

नई दिल्ली, 30 जुलाई। गुरुवार को लोकसभा ने विपक्ष के हंगामे के बीच 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसके बाद, विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पब्लिक एग्जाम्स अमेंडमेंट बिल पेश किया जिसके बाद इसपर चर्चा हो रही है। हालांकि, इस दौरान हंगामा भी खूब हुआ। मनुस्मृति को लेकर खड़गे और नड्डा के बीच तीखी तरकार भी हुई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी कानून में प्रस्तावित संशोधन इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रही है और किसी को भी देश के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संसद ने बृहस्पतिवार को उस विधेयक को पारित कर दिया, जिसके प्रावधानों के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान या उसका अपमान आपराधिक कृत्य माना जाएगा और इसके लिए तीन वर्ष तक की सजा हो सकती है। राष्ट्रगान जन गण मन के साथ ही उसी सम्मान के साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य बनाने वाले राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा ने बृहस्पतिवार को द्रमुक समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रश्न पत्र लीक मामलों को रोकने के लिए सरकार द्वारा लाये गये विधेयक के भविष्य में कारगर होने पर आशंका जताते हुए एक समयबद्ध वार्षिक परीक्षा कैलेंडर बनाये जाने का सुझाव दिया तथा हाल में हुए छात्र आंदोलन में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई ज्यादतियों की न्यायिक जांच कराने की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से सवाल किया कि वह इस समय जो काम कर रही है उसने दो साल पहले मूल कानून बनाते समय ही इस काम को क्यों नहीं किया? खड़गे ने पूछा कि जब पूरा देश ठएएळ पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों की आग में जल रहा था, तब गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर न तो कुछ कहा और न ही संसद में आकर इस पर बात की। छोटी-छोटी बातों पर अमित शाह जी संसद में आकर अपनी राय रखते थे, लेकिन अब वे कहाँ हैं? राज्यसभा में उस समय फिर हंगामा मच गया, जब जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने आरोप लगाया कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन में लोगों को पैसे का लालच देकर भेजा गया था और कुछ असामाजिक तत्वों ने इस आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश की।

राहुल गांधी ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 30 जुलाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों के विरुद्ध दिल्ली पुलिस के बल प्रयोग की जवाबदेही को लेकर गृह मंत्री अमित शाह पर गुरुवार को संसद के बाहर भी राजनीतिक हमला जारी रखा और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग दोहराई। गृह मंत्री के सदन में नहीं आने को मुद्दा बनाते हुए राहुल ने कहा, 'अमित शाह संसद में आकर छात्रों के विरुद्ध हुई बर्बर हिंसा के बारे में सफाई देने से इतना क्यों डर रहे हैं? यह उनके अपराध बोध को दिखाता है।' नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'छात्र न्याय के हकदार हैं। हमारे छात्रों के विरुद्ध बर्बरता की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति बनाई जानी चाहिए। बाद में, एक फेसबुक पोस्ट

में राहुल गांधी ने कहा, 'जब तक सिस्टम नहीं बदलेगा, पेपर लीक नहीं रुकेंगे!' छात्रों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री पर दबाव बनाने की कांग्रेस की रणनीति के अनुरूप राहुल ने सुबह यह टिप्पणी की और उसके बाद पार्टी के तमाम नेता इस मुद्दे पर मुखर रूप से सामने आए। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने भी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे वाजिब मुद्दे को उठाने के लिए अपने ही युवाओं के साथ ऐसा व्यवहार कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी जो सवाल उठा रहे हैं वह पूरा देश पूछ रहा है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बुधवार को भी शाह को पद से हटाने और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए कथित बर्बर हमले व उन पर पैलेट गन के इस्तेमाल की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की भी मांग की थी।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा बाद हालात नाजुक, भारत की सीमा से सटे 3 जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू

नेपाल, 30 जुलाई। नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने भारत के बिहार से सटे जनकपुर, सिराहा और सप्तरी जिलों के कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया है। सिराहा जिला प्रशासन ने गुरुवार दोपहर 2 बजे से अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू करने की घोषणा की। प्रशासन ने कहा कि सांप्रदायिक तनाव और हिंसा फैलने की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 26 जुलाई को सुनसरी जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में सावन महीने के बोलबम यात्रा के दौरान हिंदू श्रद्धालु

पवित्र जल लेकर डीजे के साथ गुजर रहे थे। पुलिस के अनुसार, तेज संगीत को लेकर कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हुई और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों समुदायों के लोग लाठी, पत्थर, लोहे की रॉड और अन्य हथियारों के साथ आमने-सामने आ गए। हालात बेकाबू होने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से ओम प्रकाश मेहता नामक युवक की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं।

सुनसरी जिले के इनरुवा, दुहाबी, कोशी, देवानगंज, हरिनगर, गढ़ी, बरजू और भोकराहा नरसिंह सहित कई स्थानीय निकायों में कर्फ्यू लागू है। वहीं, सिराहा जिले के कई संवेदनशील इलाकों में भी लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा अलविदा, खत्म हुआ एक सुनहरा अध्याय

मुंबई, 30 जुलाई। भारत के अनुभवी बल्लेबाज और 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार (30 जुलाई) को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। वह अब इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलते नहीं दिखाई देंगे। पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे। रहाणे ने साफ कहा कि वो क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया और संन्यास का एलान किया।

रहाणे को मेलबर्न का हीरो इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने 2020-21 ट्रॉफी के दौरान वहां ऐतिहासिक शतक लगाया था और आत्मविश्वास खो चुके भारतीय खिलाड़ियों में फिर से जोश भर दिया था। इसके बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में टेस्ट

सीरीज में शिकस्त दी थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए अजिंक्य रहाणे ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, 'कैप नंबर 278 अब यहीं तक। वर्षों तक मिले आपके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा।'

संन्यास का एलान करते हुए रहाणे ने कहा, 'जिंदगी की सच्चाई यही है कि हर चीज की शुरूआत होती है और हर चीज का अंत भी होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया है और आज मुझे लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए यही सही समय है।'

रहाणे ने अपने शुरूआती संघर्षों को याद करते हुए कहा, 'डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में सिर्फ अभ्यास करने के लिए सफर शुरू किया था। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत की कैप पहनने के सपने से जुड़ा था। मैंने हमेशा एक ही नियम अपनाया, अपने देश और टीम को खुद से ऊपर रखा। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने हमेशा पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला। मेरा मानना रहा कि अगर आपकी नीयत सही है तो खेल आपका साथ जरूर देता है। पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात रही। भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्याय भले खत्म हो रहा है, लेकिन क्रिकेट के साथ मेरा रिश्ता कभी खत्म नहीं होगा।वीडियो में रहाणे अपने परिवार और प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'अब मैं अगली पीढ़ी की मदद करना चाहता हूं, इस खेल से सीखे गए मूल्यों को साझा करना चाहता हूं और क्रिकेट को कुछ लौटाना चाहता हूं। मुंबई से भारत के लिए खेलने तक का सफर मेरे लिए सम्मान की बात है। जीत और हार दोनों देखीं, लेकिन क्रिकेट खेलने का आनंद और उससे जुड़ी यादें मेरे करियर की सबसे बड़ी कमाई हैं।' अंत में उन्होंने कहा, 'अजिंक्य का मतलब होता है 'अजेय', लेकिन क्रिकेट ने मुझे कई बार हार दिखाई। एक क्रिकेटर के तौर पर असफलताएं भी मिलीं, टीम भी हारी और मुझसे भी गलतियां हुईं। लेकिन एक जगह मैं कभी नहीं हारा और वह आपके दिल थे। आपने हमेशा मुझे अपना माना। आपके प्यार, भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद। कैप नंबर 278... अब यहीं तक। अजिंक्य रहाणे लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने गए। खासकर विदेशी परिस्थितियों में उनका प्रदर्शन हमेशा चर्चा में रहा।

भारत की सड़कों पर ओलेक्ट्रा की 4,000 इलेक्ट्रिक बसें

मुंबई। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी भारत की पहली ऐसी संस्था बनी है जिसने देशभर में 4,000 इलेक्ट्रिक बसें उतारी हैं। हिमाचल प्रदेश में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को 4,000वीं बस की चाबी सौंपी गई। महाराष्ट्र में भी ओलेक्ट्रा की ई-बसेस लोकप्रिय हो रही हैं। मुंबई में BEST, राज्यभर में MSRTC, पुणे में PMPML और ठाणे में TMC इन noiseless बसों का संचालन कर रहे हैं। यात्री इन बसों की शांति, आराम और प्रदूषण-मुक्त सफर का आनंद ले रहे हैं।

अब तक ओलेक्ट्रा की बसें 73 करोड़ हरित किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी हैं और इससे 6.5 लाख टन CO_2 उत्सर्जन को रोका गया है। कंपनी के पास 8,500 से अधिक वाहनों का ऑर्डर बुक है और वह भारत को स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन : दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, प्रदर्शनकारी छात्र होंगे रिहा

नई दिल्ली, 30 जुलाई। दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को कोई सुरक्षा नहीं दी जाएगी। दिल्ली के गृह

विभाग की ओर से जारी एक बयान में सरकार ने आगे कहा कि अगर प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया या गिरफ्तार किया गया, तो उसे रिहा कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा समीक्षा के बाद ही किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि गिरफ्तार लोगों को जल्द से जल्द रिहा किया जाएगा। सरकार

आदेश में कहा गया है कि NCT दिल्ली सरकार का विरोध-प्रदर्शनों में शामिल लोगों के खिलाफ कोई और दंडात्मक कार्रवाई करने का इरादा नहीं है, और इस मामले को बिना किसी आगे की कार्रवाई के बंद माना जाएगा। यह आदेश NCT दिल्ली के माननीय उप-राज्यपाल की मंजूरी से जारी किया गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस ने कॉजपा के प्रदर्शनों के संबंध में 13 प्राथमिकी दर्ज की हैं, गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए लोगों को जल्द रिहा किया जायेगा। सरकारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों को बृहस्पतिवार को झूठ और भ्रामक बताया कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी गई है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

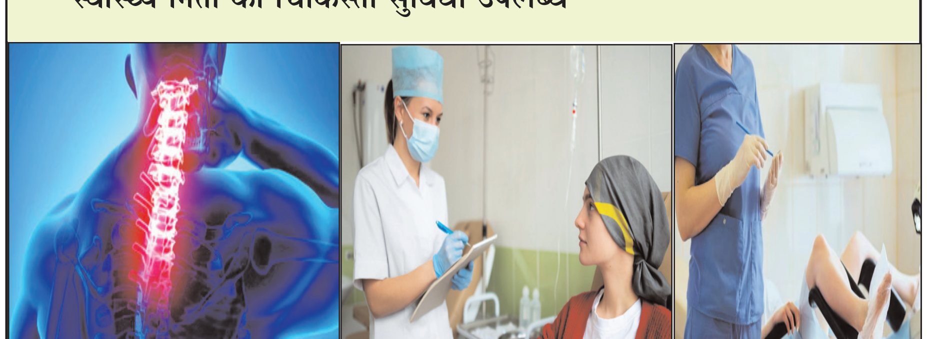

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस, 30 जुलाई 2026 पर विशेष:

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

-ललित गर्ग

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल रिश्ता नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां ह्लमित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्ह्ल अर्थात समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और ऑनलाइन रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से ऑफलाइन होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे। आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-ह्वसभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

सोनम वांगचुक लद्दाख के जिस हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं क्या है उसकी कहानी

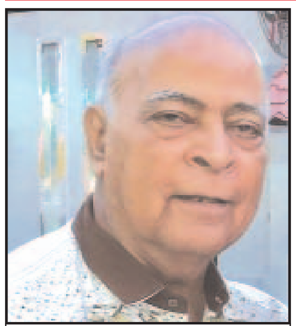

अशोक भाटिया

सोनम वांगचुक लद्दाख के जिस हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिन क्षेत्रों, जैसे चांगथांग और पैंगोंग त्सो के आस-पास का इलाका, की सुरक्षा का मुद्दा उठा रहे हैं, वे सैन्य और भौगोलिक दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र तिब्बत की सीमा से सटा हुआ एक विशाल पठार है, जो अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है। सैन्य विज्ञान के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, ऊंचाई पर स्थित चौकियों पर नियंत्रण रखने वाले देश को कूटनीतिक, रणनीतिक और सैन्य तीनों स्तरों पर अत्यधिक बढ़त हासिल होती है। देखा जाय तो समकालीन वैश्विक राजनीति और सैन्य रणनीतियों में 'सलामी स्लाइसिंग' एक ऐसा स्थापित दृष्टिकोण है, जहाँ कोई विस्तारवादी महत्वाकांक्षा रखने वाला देश बिना किसी बड़े, व्यापक या प्रत्यक्ष युद्ध के, अत्यंत धीमी गति से और छोटे-छोटे टुकड़ों में सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपना प्रभाव या नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास करता है। वर्तमान में भारत की उत्तरी सीमाओं, विशेषकर लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यह रणनीति एक दीर्घकालिक और अत्यंत गंभीर सुरक्षा चुनौती बनकर उभरी है। विख्यात शिक्षाविद्, नवप्रवर्तक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का हालिया आंदोलन और उनके गांव 'उबले' सहित पूरे चांगथांग क्षेत्र से आ रही जमीनी रिपोर्टें इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करती हैं कि बीजिंग की नीति केवल एक तात्कालिक सीमा विवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरे रणनीतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय और पारिस्थितिक हित छिपे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक हो गया है कि लद्दाख के ये सुदूर सीमावर्ती क्षेत्र चीन के लिए सामरिक रूप से क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं, इसके पीछे बीजिंग का क्या भू-राजनीतिक गणित काम कर रहा है, और देश के आंतरिक नीतिगत निर्णयों तथा कूटनीतिक वाताओं का राष्ट्रीय सुरक्षा की इस वृहत्तर तस्वीर से क्या सीधा और अटूट संबंध है।

इन क्षेत्रों पर आंशिक प्रभाव या प्रभुत्व बनाकर भी चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भारतीय सेना की अग्रिम गतिविधियों, रसद आपूर्ति मार्गों और लेह-लद्दाख को जोड़ने वाले रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर चौबीसों घंटे प्रभावी निगरानी रख सकती है। यही कारण है कि इन सुदूर अग्रिम गांवों और पारंपरिक रूप से भारत के प्रभाव वाले क्षेत्रों पर धीरे-धीरे अपना नियंत्रण स्थापित करना बीजिंग की दीर्घकालिक सैन्य प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रहा है, क्योंकि यह उन्हें किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में एक रणनीतिक बढ़त प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में चीन की सैन्य और प्रशासनिक गतिविधि स्थापित अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के सीधे और बड़े उल्लंघन के बजाय एक क्रमिक, अदृश्य और बेहद शातिर प्रक्रिया के रूप में दिखाई देती है। सीमा पर रहने वाले स्थानीय लद्दाखी चरवाहे, जो मुख्य रूप से चांगपा समुदाय से आते हैं, सदियों से अपनी पश्मीना बकरियों और याकों को चराने के लिए इन पारंपरिक और ऐतिहासिक चारागाहों का उपयोग करते रहे हैं। चीनी गश्ती दल अक्सर इन निहत्थे और सीधे-सादे चरवाहों की आवाजाही को बाधित करते हैं, उन्हें डराते हैं और सीमा विवाद का बहाना बनाकर पीछे हटने को मजबूर करते हैं। जब स्थानीय आबादी विवादों या असुरक्षा से बचने के लिए इन चारागाहों पर जाना बंद कर देती है, तो वह क्षेत्र 'नो मैन्स लैंड' या विवादित क्षेत्र में तब्दील हो जाता है। इसके बाद के चरणों में, चीन इन खाली क्षेत्रों के निकट तेजी से पक्की सड़कें, मोबाइल टॉवर, सैन्य शेड और नागरिक बस्तियों, जिन्हें चीनी शब्दावली में 'शियाओकांग विलेज' कहा जाता है, का निर्माण करके अपनी अनधिकृत स्थिति को एक स्थायी और वैध रूप देने का प्रयास करता है। सोनम वांगचुक और लद्दाख के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बार-बार उपग्रह चित्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से यह गहरी चिंता जताई है कि इस प्रक्रिया के कारण भारत के पारंपरिक चारागाहों का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे हमारी सुलभ गश्त और नागरिक नियंत्रण के दायरे से बाहर होता जा रहा है। चीन के इन आक्रामक कदमों के पीछे केवल सैन्य विस्तारवाद ही नहीं, बल्कि भविष्य की 'संसाधन सुरक्षा' भी एक बहुत बड़ा आर्थिक कारक है। लद्दाख और तिब्बत का यह संपूर्ण भूभाग दुनिया के ₹तीसरे ध्रुव₹ के रूप में जाना जाता है, जो मीठे पानी के विशाल ग्लेशियरों और अत्यंत महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों का प्रमुख स्रोत है। सिंधु और उसकी प्रमुख सहायक नदियों के उद्गम और प्रवाह क्षेत्र इसी भूभाग से गहरे जुड़े हैं। इस क्षेत्र के जल स्रोतों और ग्लेशियरों पर कड़ा नियंत्रण स्थापित करके चीन पूरे दक्षिण एशिया की जल-भूराजनीति में एक निर्णायक और एकाधिकारवादी भूमिका हासिल करना चाहता है, जिससे वह भविष्य में भारत और पाकिस्तान जैसे निचले प्रवाह वाले देशों पर एक जल-अस्त्र के रूप में दबाव बना सके। इसके साथ ही, चांगथांग का यह विशिष्ट क्षेत्र दुनिया के सबसे महंगे और सर्वश्रेष्ठ 'पश्मीना ऊन' का एकमात्र मुख्य उत्पादक है। चीनी दबाव के कारण जब भारतीय चरवाहों को अंतिम सीमाओं पर स्थित समृद्ध चारागाहों से पीछे हटना पड़ता है, तो चारा न मिलने के कारण पश्मीना बकरियों की आबादी पर संकट आ जाता है, जिसका सीधा नकारात्मक और विनाशकारी असर लद्दाख की स्थानीय अर्थव्यवस्था, कश्मीर के हस्तशिल्प और भारत के अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल उद्योग पर पड़ता है।

वर्ष 2020 के गलवान घाटी के हिंसक संघर्ष के बाद से दोनों महाशक्तियों के बीच संबंधों में एक लंबा सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध बना रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में निरंतर जारी द्विपक्षीय वाताओं और कूटनीतिक प्रयासों के कारण कुछ सकारात्मक प्रगति देखी गई है। डेपसांग और डेमचोक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और विवादित घर्षण बिंदुओं से सैन्य विस्थापन और गश्त व्यवस्था को पुरानी स्थिति में बहाल करने पर दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक समझौतों का एक नया सिलसिला शुरू हुआ है। भारत और चीन के बीच उच्च स्तरीय वाताओं, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठकों और सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए स्थापित कार्य तंत्र (हटउउ) के माध्यम से कूटनीतिक चैनलों को फिर से पूरी तरह सक्रिय किया गया है। इन सभी वाताओं में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सदैव अत्यंत स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाया है कि जब तक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल 2020 से पहले की पूर्ण शांति और स्थिरता बहाल नहीं होती, और स्थानीय समुदायों के पारंपरिक चराई तथा सेना के गश्त के अधिकारों को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया जाता, तब तक दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में पूर्ण सामान्य स्थिति की बहाली होना असंभव है। हालांकि, इन कूटनीतिक प्रगतियों और कागजी समझौतों के बावजूद, जमीन पर चीनी सेना द्वारा इन वादों के अक्षरशः पालन और नव-निर्मित 'बफर जोन' की वास्तविक जमीनी स्थिति को लेकर भारत के शीर्ष रक्षा विशेषज्ञों, सैन्य कमांडरों और स्थानीय लद्दाखी संगठनों के बीच एक निरंतर और गहरी सतर्कता बनी हुई है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि चीन कूटनीतिक वाताओं का उपयोग अक्सर अपनी सैन्य तैयारियों के लिए समय जुटाने में करता रहा है।

एक परिपक्व और संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत को इस सत्य को स्वीकार करना होगा कि किसी भी बाहरी खतरे या सीमावर्ती आक्रामकता से निपटने के लिए देश की आंतरिक स्थिरता और उसके स्थानीय नागरिकों का अटूट विश्वास सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत स्तंभ होते हैं। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के तहत लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किए जाने के बाद, वहाँ के स्थानीय आदिवासी समुदायों में अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, भूमि स्वामित्व के अधिकारों और सरकारी रोजगार के अवसरों को लेकर कुछ गंभीर आशंकाएँ और चिंताएँ उत्पन्न हुईं। वर्तमान में सोनम वांगचुक और लद्दाख के अन्य प्रमुख नागरिक संगठन भारत के संविधान की 'छठी अनुसूची' के तहत सुरक्षा उपायों और लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के शुद्ध दृष्टिकोण से देखा जाए, तो इन दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक ही देश की संप्रभुता और रक्षा की सबसे पहली और अग्रिम पंक्ति होते हैं। यदि सीमा पर रहने वाली स्थानीय आबादी स्वयं को प्रशासनिक, राजनीतिक या नीतिगत रूप से उपेक्षित या असुरक्षित महसूस करेगी, तो इसका सीधा नकारात्मक असर उनके मनोबल पर पड़ सकता है। भू-राजनीतिक विश्लेषकों का यह मानना है कि चीन हमेशा उन क्षेत्रों में अपनी आक्रामक और विस्तारवादी नीति को अधिक तेज करता है, जहाँ आंतरिक असंतोष या प्रशासनिक शून्यता की थोड़ी सी भी संभावना होती है। इसलिए, लद्दाख के नागरिकों की इन जायज चिंताओं का समय रहते लोकतांत्रिक संवाद और नीतिगत सुरक्षा के जरिए समाधान ढूंढना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक और दीर्घकालिक हित में है।

इस बहुआयामी कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए भारत सरकार को एक अत्यंत संतुलित, व्यावहारिक, आक्रामक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति अपनानी होगी। चीन के साथ होने वाली भविष्य की हर सैन्य और राजनयिक स्तर की वार्ता में भारत को वर्ष 2020 से पहले की 'यथास्थिति' की पूर्ण बहाली और अपने पारंपरिक गश्ती अधिकारों पर बिना किसी समझौते के स्पष्ट और कड़ा रुख बनाए रखना चाहिए। इसके साथ ही, लद्दाख के निवासियों को संवैधानिक सुरक्षा, भूमि संरक्षण और वास्तविक प्रशासनिक भागीदारी का अहसास कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि उन्हें अपनी पहचान खोने का कोई डर न रहे। जब स्थानीय सीमावर्ती समुदायों को यह पूर्ण विश्वास होगा कि उनकी भूमि, आजीविका और संस्कृति कानूनन सुरक्षित है, तो वे चीनी घुसपैठ और दुष्प्रचार के खिलाफ भारतीय सैन्य बलों के सबसे विश्वसनीय, समर्पित और अचूक सहयोगी बनकर खड़े रहेंगे। भारत ने हाल के वर्षों में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे, जैसे कि हर मौसम में खुली रहने वाली सड़कों, सामरिक टनल और अग्रिम हवाई पट्टियों का निर्माण बहुत तेज किया है, जिसे और अधिक गति देने की आवश्यकता है, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में सामरिक और सैन्य रूप से हम हमेशा दुश्मन पर भारी और मजबूत स्थिति में रहें।

सोनम वांगचुक का यह अनुशासित आंदोलन केवल पर्यावरण संरक्षण या स्थानीय अधिकारों तक सीमित एक क्षेत्रीय मांग नहीं है, बल्कि यह परोक्ष रूप से भारत की सीमाओं की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की ओर पूरे देश और नीति-नियंताओं का ध्यान आकर्षित करने का एक अत्यंत गंभीर नागरिक प्रयास है। लद्दाख में चीन की रणनीतिक और कूटनीतिक चालों का उत्तर केवल तात्कालिक सैन्य बल या सामयिक कूटनीतिक समझौतों से नहीं दिया जा सकता; इसके लिए एक मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, निरंतर कूटनीतिक सतर्कता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन की विस्तारवादी नीतियों को बेनकाब करने की रणनीति और सीमावर्ती समाजों के समावेशी व सतत विकास की आवश्यकता है। समय की सबसे बड़ी मांग यही है कि नई दिल्ली लद्दाख की इन संवेदनशील और रणनीतिक चिंताओं को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करे और एक ऐसी सुदृढ़ राष्ट्रीय नीति का निर्माण करे जो हमारी भौगोलिक सीमाओं को अक्षुण्ण रखने के साथ-साथ सीमावर्ती समाजों के भीतर राष्ट्र के प्रति विश्वास और स्वाभिमान को भी नए क्षितिज प्रदान करे।

काशी का मंच और भाजपा का नया बहुजन समीकरण

-सुरेश गांधी

गंगा के तट पर बसी काशी ने सदियों से संतों की वाणी सुनी है, पर इतिहास में कुछ क्षण ऐसे भी आते हैं जब वही वाणी राजनीति की दिशा बदलती दिखाई देती है। संत शिरोमणि गुरु रविदास के 650वें प्रकाश पर्व पर सीर गोवर्धनपुर में सजा मंच केवल श्रद्धा का मंच नहीं था; वह उत्तर भारत की बदलती सामाजिक राजनीति का दर्पण भी था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषण में भक्ति थी, पर उससे अधिक महत्वपूर्ण थे वे प्रतीक जिनके माध्यम से उन्होंने भविष्य की राजनीति की रेखाएं खींचीं। रविदास, वाल्मीकि, निषादराज और शबरी का एक साथ स्मरण आकस्मिक नहीं था; यह उत्तर भारत के अलग-अलग सामाजिक द्वारों पर एक साथ दस्तक थी। काशी से जालंधर तक संत परंपरा की कड़ी जोड़ना, पंजाब के रविदासिया समाज का विशेष उल्लेख करना और समरसता अभियान को राष्ट्रीय स्वरूप देना इस बात का संकेत है कि भाजपा अब केवल पारंपरिक हिंदुत्व की राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहती। वह संत-समाज आधारित सामाजिक विस्तार की नई रणनीति गढ़ रही है। इसका सबसे स्पष्ट संकेत भदोही को पुनः ह्लसंत रविदास नगरह्ल की स्थायी पहचान देने की घोषणा में दिखाई दिया। यह महज प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि बहुजन राजनीति के एक पुराने प्रतीकात्मक संघर्ष की नई व्याख्या है। भदोही जनपद का गठन 30 जून 1994 को हुआ था। बाद में मायावती सरकार ने इसका नाम संत रविदास नगर किया, फिर समाजवादी पार्टी सरकार ने पुनः भदोही नाम बहाल कर दिया। अब योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास जयंती वर्ष के अवसर पर स्पष्ट संकेत दिया है कि जिले की पहचान संत रविदास नगर के रूप में ही बनी रहेगी। इस घोषणा ने यह संदेश दिया कि भाजपा दलित प्रतीकों पर वैचारिक और राजनीतिक दावेदारी मजबूत करना चाहती है। यह अलग बात है कि घोषणा के कुछ ही घंटों बाद भदोही में एक नया विमर्श भी तेज हो गया। कालीन निर्यातकों, उद्यमियों और व्यापारिक संगठनों के एक वर्ग ने मांग उठाई कि जिले का नाम ह्लभदोहीह्ल ही रहने दिया जाए। उनका तर्क है कि विश्व बाजार में भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों की पहचान दशकों से ह्लभदोही कार्पेटह्ल के नाम से स्थापित है। अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया और एशियाई बाजारों में निर्यात होने वाले कालीनों पर इँड्डिंह्ल एक ब्रांड की तरह दर्ज है; ऐसे में नाम परिवर्तन से अंतरराष्ट्रीय पहचान और विपणन पर असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। कई उद्यमियों का कहना है कि यह केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक और ब्रांड वैल्यू से जुड़ा प्रश्न है।

वहीं संत रविदास के अनुयायियों और सामाजिक संगठनों का एक वर्ग चाहता है कि जिले का नाम संत रविदास नगर भदोही रखा जाए, ताकि संत रविदास की गरिमा भी बनी रहे और ऐतिहासिक-व्यावसायिक पहचान भी सुरक्षित रहे। उनका कहना है कि संत रविदास की जन्मभूमि का सम्मान सर्वोपरि है, किंतु ह्लभदोहीह्ल शब्द हटने से कालीन उद्योग से जुड़ी वैश्विक पहचान को अनावश्यक संकट में डालना उचित नहीं होगा। इस तरह नाम परिवर्तन का प्रश्न अब केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा; वह आस्था, अस्मिता और अर्थव्यवस्था—तीनों के संगम पर खड़ा दिखाई दे रहा है। फिरहाल, बड़ा प्रश्न यह है कि क्या नाम परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन का पर्याय बन सकता है? संत रविदास का स्वप्न केवल सम्मानजनक संबोधन नहीं, बल्कि जाति-विहीन, श्रमसम्मानित और समान अवसर वाले समाज का था। यदि शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के अवसरों में वास्तविक बदलाव नहीं आता, तो प्रतीकों की चमक स्थायी परिवर्तन का विकल्प नहीं बन सकती।

योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास की प्रसिद्ध पंक्ति ह्लऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्नह्ल को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से जोड़ते हुए कहा कि करोड़ों लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। यहां संत परंपरा और कल्याणकारी राज्य की नीति को एक सूत्र में बांधने का प्रयास दिखाई देता है। भाजपा की राजनीति में यह प्रवृत्ति लगातार मजबूत हुई है कि संतों और लोकनायकों की वाणी को सरकारी योजनाओं की वैधता के साथ जोड़ा जाए। काशी का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण यह शहर भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति का राष्ट्रीय मंच बन चुका है। समरसता संकल्प अभियान को फरवरी 2027 तक चलाने का निर्णय बताता है कि इसे एक दिन के समारोह की बजाय दीर्घकालिक सामाजिक संपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है। कलश यात्रा, संत संपर्क, समरसता यात्रा और युवा संवाद जैसे कार्यक्रम बूथ स्तर तक सांस्कृतिक-सामाजिक नेटवर्क तैयार करने की कोशिश का संकेत देते हैं।

इस पूरे आयोजन का राजनीतिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण था। सीर गोवर्धनपुर के मंच पर धार्मिक संतों के साथ बड़ी संख्या में ओबीसी और दलित नेतृत्व की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा सामाजिक प्रतिनिधित्व का नया दृश्य निर्मित करना चाहती है। मंच पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली से आए अनेक नेता मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, मंत्री असीम अरुण, हंसराज विश्वकर्मा, संजीव गौड़, क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया सहित कई प्रमुख चेहरे ओबीसी और दलित समाज से आते हैं। यह उपस्थिति केवल औपचारिक नहीं थी; यह सामाजिक विस्तार की दृश्य राजनीति थी। करीब सात महीने तक चलने वाले इस अभियान का समापन फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। राजनीतिक दृष्टि से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होंगी और उत्तर प्रदेश में भी आगामी विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि बनने लगेगी। ऐसे समय में काशी से शुरू हुआ यह अभियान भाजपा को दलित और अति पिछड़े समुदायों के बीच नए संवाद का अवसर देता है। लगभग हर वक्ता ने संत रविदास के समता, सामाजिक न्याय और जाति-विहीन समाज के संदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं और भाजपा सरकार की नीतियों से जोड़ने का प्रयास किया। पंजाब इस रणनीति का विशेष केंद्र है। डोआबा क्षेत्र में रविदासिया समाज का व्यापक सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव है और कई विधानसभा क्षेत्रों में उसकी भूमिका निर्णायक मानी जाती है। सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास जन्मस्थली का भावनात्मक संबंध पंजाब के लाखों अनुयायियों से जुड़ा है। काशी से मिट्टी भेजने और विशेष रेल सेवाओं जैसी घोषणाओं ने उत्तर प्रदेश और पंजाब के बीच साझा सांस्कृतिक-सामाजिक सेतु का संदेश दिया है। काशी का यह आयोजन अंततः भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है जिसमें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, कल्याणकारी राजनीति और बहुजन प्रतीकों को एक साझा राजनीतिक आख्यान में पिरोया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का भाषण इस नई राजनीति का घोषणापत्र जैसा था, जहां संत परंपरा केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व और राजनीतिक विस्तार का माध्यम बनती दिखाई देती है। आने वाले चुनाव तय करेंगे कि काशी से निकला यह समरसता सूत्र उत्तर प्रदेश की सीमाओं से आगे बढ़कर पूरे उत्तर भारत के सामाजिक मानस में कितनी गहराई तक उतर पाता है।

काशी ने अनेक राजवंशों का उत्थान-पतन देखा है, पर इस बार गंगा किनारे गूंजे मंत्रों के बीच राजनीति की एक नई ध्वनि भी सुनाई दी। संत रविदास के 650वें प्रकाश पर्व पर सीर गोवर्धनपुर में सजा मंच केवल श्रद्धा, भक्ति और परंपरा का उत्सव नहीं था; वह उत्तर भारत की बदलती सामाजिक संरचना का सार्वजनिक पाठ भी था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि, निषादराज और माता शबरी जैसे प्रतीकों को जिस क्रम और आग्रह के साथ सामने रखा, उसने यह संकेत दिया कि भाजपा अब सांस्कृतिक स्मृतियों के माध्यम से नए सामाजिक गठबंधन गढ़ने की कोशिश कर रही है। काशी से पंजाब तक संत परंपरा की कड़ी जोड़ना, रविदासिया समाज का विशेष उल्लेख करना और समरसता अभियान को 2027 तक ले जाने की घोषणा राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह वही समय है जब उत्तर प्रदेश और पंजाब दोनों राज्यों में चुनावी तैयारियां निर्णायक चरण में प्रवेश करेंगी। इसलिए यह आयोजन धार्मिक आस्था से कहीं अधिक व्यापक अर्थ ग्रहण करता है। इसमें दलित सम्मान, ओबीसी प्रतिनिधित्व, सांस्कृतिक पहचान, कल्याणकारी राजनीति और चुनावी गणित—सभी एक साथ उपस्थित दिखाई देते हैं। प्रश्न अब केवल यह नहीं है कि संत रविदास का सम्मान कैसे हो; प्रश्न यह भी है कि क्या सांस्कृतिक प्रतीकों के सहारे सामाजिक न्याय की नई राजनीति गढ़ी जा सकती है और क्या काशी से उठा यह संदेश पूरे उत्तर भारत की राजनीति का नया सूत्र बन पाएगा।

आदिनाथ शिवजी सोमेश्वर सावन में मुस्कायें

सावन केवल वर्षा का महीना नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण, भक्ति के उत्कर्ष और भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का परम पावन अवसर है। जब आकाश से वर्षा की बूंदें धरती को शीतल करती हैं, तब ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं आदिनाथ भगवान शिव अपनी अनंत करुणा का अमृत संसार पर बरसा रहे हों। हर दिशा में ₹हर-हर महादेव₹ का घोष, मंदिरों में बजती घंटियाँ, गूंजते शिव-मंत्र और भक्तों की आस्था से भरी कांवड़ यात्रा यह संदेश देती है कि आज भी शिव ही संसार के सबसे सहज, सरल और करुणामय देव हैं। भगवान शिव को आदिनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे सृष्टि के आदि भी हैं और अनंत भी। वे काल के भी महाकाल हैं, मृत्यु के भी स्वामी हैं और मोक्ष के भी दाता हैं। उनका सोमेश्वर स्वरूप चंद्रमा की शीतलता और करुणा का प्रतीक है। उनके मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी ही तपिश क्यों न हो, मन को सदैव शीतल, शांत और संयमित रखना चाहिए। सावन का प्रत्येक सोमवार भक्त और भगवान के मिलन का पर्व है। श्रद्धालु गंगाजल, नर्मदा जल या पवित्र नदियों का जल लेकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। देखने में यह केवल जल चढ़ाने की क्रिया प्रतीत होती है, परंतु वास्तव में यह अपने अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और पापों को भगवान के चरणों में समर्पित करने का प्रतीक है। शिव को जल अर्पित करते समय भक्त का मन भी निर्मल होना चाहिए। केवल हाथों से चढ़ाया गया जल नहीं, बल्कि हृदय से निकली श्रद्धा ही भगवान को सबसे अधिक प्रिय होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि भगवान शिव ₹भाव के भूखे₹ हैं। वे वैभव नहीं, भक्ति देखते हैं; धन नहीं, समर्पण स्वीकार करते हैं। एक लोटा जल, कुछ बेलपत्र, धतूरा और सच्चे मन से किया गया ₹ॐ नमः शिवाय₹ का जाप करोड़ों यज्ञों के समान फलदायी माना गया है। यही कारण है कि शिव गरीब और अमीर, ज्ञानी और अज्ञानी, राजा और रंक—सभी के समान आराध्य हैं। आज का मनुष्य बाहरी सुख-सुविधाओं के पीछे भागते-भागते अपने भीतर के शिव को भूल बैठा है। परिणामस्वरूप अशांति, तनाव, ईर्ष्या, द्वेष और असंतोष उसके जीवन का हिस्सा बन गए हैं। सावन हमें याद दिलाता है कि यदि मन में शिव का वास हो जाए तो जीवन का प्रत्येक क्षण पवित्र हो सकता है। शिव का स्मरण केवल मंदिर तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई दे। दूसरों के प्रति करुणा, सत्य, क्षमा, सेवा और संयम ही वास्तविक शिव-पूजा है। कांवड़ यात्रा भी केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, त्याग और सामूहिक श्रद्धा का महान विद्यालय है। कठिन मार्ग, नंगे पैर चलना, निरंतर शिव-नाम का स्मरण और सेवा का भाव यह सिखाता है कि ईश्वर की प्राप्ति सरल नहीं, किंतु श्रद्धा और धैर्य से हर कठिनाई पार की जा सकती है। शिव का परिवार भी मानव समाज को अद्भुत संदेश देता है। जहाँ नंदी, सिंह, सर्प, चूहा और मोर जैसे स्वभाव से भिन्न जीव एक ही परिवार में रहते हैं, वहाँ यह शिक्षा मिलती है कि भिन्नता विरोध का नहीं, समरसता का आधार बन सकती है। आज जब समाज जाति, वर्ग, भाषा और विचारों के आधार पर विभाजित हो रहा है, तब शिव परिवार हमें प्रेम, सहिष्णुता और एकता का पाठ पढ़ाता है। सावन में किया गया रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जप, शिवपुराण का श्रवण और ₹ॐ नमः शिवाय₹ का निरंतर स्मरण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की साधना है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों को त्याग देता है, तभी भगवान शिव उसके हृदय में हृदयेश बनकर विराजमान होते हैं। कहा गया है कि जन्म और मृत्यु का यह अनवरत चक्र तभी समाप्त होता है जब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान ले। भगवान शिव मोक्ष के अधिपति हैं। जो भक्त निष्काम भाव से उनकी आराधना करता है, वह धीरे-धीरे कर्मबंधनों से मुक्त होकर आत्मिक शांति की ओर अग्रसर होता है। यही ₹आवागमन से मुक्ति₹ का वास्तविक अर्थ है—केवल शरीर का नहीं, बल्कि अज्ञान, भय और अहंकार से भी मुक्ति। आइए, इस पावन सावन में हम केवल शिवलिंग पर जल ही न चढ़ाएँ, बल्कि अपने भीतर की कटुता, अहंकार, हिंसा और स्वार्थ को भी भगवान के चरणों में अर्पित करें। अपने हृदय को शिव का मंदिर बनाएँ, अपने विचारों को गंगाजल की तरह निर्मल रखें और अपने कर्मों को बेलपत्र की तरह पवित्र बनाएँ। जब भक्त प्रेमपूर्वक शिव को जल से अभिषिक्त करता है, तब केवल शिव ही नहीं मुस्कुराते, बल्कि भक्त का जीवन भी आनंद, शांति और दिव्यता से भर उठता है। तब आदिनाथ शिवजी सोमेश्वर सचमुच सावन में मुस्काते हैं, हृदयेश प्रभु भक्तों के हृदय में विराजते हैं और उनकी कृपा से जीवन का अंधकार दूर होकर मोक्ष का प्रकाश प्रकट होता है।

-विक्रम दयाल

वर्षों का इंतजार खत्म, मीरा-भायंदर के हजारों परिवारों को मिला कानूनी अधिकार का रास्ता

◆परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर एवं भूमि स्थायी नाम पंजीकरण मार्गदर्शन अभियान का किया शुभारंभ

◆ बोले-गरीबों के अधिकारों पर कोई डाका नहीं डालने देंगे

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में, गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस और दिवंगत अजित दादा पवार की जयंती के साथ भी जुड़ा रहा, मीरा-भायंदर के नागरिकों को दो महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं की सौगात मिली। मीरा रोड (पूर्व) स्थित पद्मश्री डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी हॉल में महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं मीरा-भायंदर के जनप्रतिनिधि प्रताप सरनाईक की पहल पर छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर तथा कलेक्टर भूमि स्थायी नाम पंजीकरण मार्गदर्शन अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि सरकारी (कलेक्टर) भूमि पर वर्षों से निवास कर रहे परिवारों के लिए यह केवल जमीन का मामला नहीं, बल्कि उनके परिवार की सुरक्षा, भविष्य और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों का प्रश्न है। उन्होंने घोषणा की कि 1 जनवरी 2011 से पहले सरकारी भूमि पर बसे पात्र

नागरिकों की 1500 वर्ग फुट तक की आवासीय संपत्तियों को उनके नाम स्थायी रूप से हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्षों से लंबित इस मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पात्र नागरिकों को उनके आश्रय का कानूनी अधिकार दिलाया जाएगा। शिविर में नागरिकों को सरकारी भूमि के स्थायी नामांतरण से संबंधित आवेदन पत्र, नियम, शर्तें तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, जिससे लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

मंत्री सरनाईक ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनित्राताई पवार के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए काम कर रही है। उन्होंने 1 जनवरी 2011 से पहले के सभी पात्र नागरिकों से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। अपने संबोधन में मंत्री सरनाईक ने भूमि माफियाओं पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह शिविर इसलिए आयोजित किया गया है ताकि आम नागरिक किसी बिचौलिए या भूमि माफिया के झांसे में न आएं और सीधे सरकारी प्रक्रिया के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्त कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को भी स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा, इस शिविर में आने वाला प्रत्येक नागरिक प्रशासन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी अधिकारी ने नागरिकों के अधिकारों में अनावश्यक बाधा डाली या लापरवाही बरती तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच के साथ मौके पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान करना होगा।₹ मंत्री सरनाईक ने कहा कि ₹जन संतुष्टि ही सरकार की वास्तविक सफलता है।₹ उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान मीरा-भायंदर के इतिहास में गरीब एवं पात्र नागरिकों को उनका वैधानिक अधिकार दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और स्वर्णिम पहल साबित होगा।

गायत्री प्रज्ञापीठ में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, विद्यारंभ, गुरु दीक्षा व अन्नप्राशन संस्कार समारोह संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कामतघर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ में गायत्री परिवार ट्रस्ट, भिवंडी की ओर से गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था एवं श्रद्धा प्रकट की। इस अवसर पर कथावाचक साध्वी प्रज्ञा जी ने गुरु महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि वह दिव्य चेतना हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाती है। गुरु मनुष्य को सही दिशा, श्रेष्ठ विचार और आदर्श आचरण का मार्ग दिखाते हैं। गुरु के सानिध्य से व्यक्तित्व का विकास होता है और जीवन को सार्थक दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कृतज्ञता, श्रद्धा और समर्पण का पावन पर्व है। साध्वी प्रज्ञा जी द्वारा प्रस्तुत भजन एवं गुरु महिमा की संगीतमय प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजनों के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। गुरु पूर्णिमा पर्व का पूजन बेचन प्रजापति परिवार द्वारा विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। वहीं गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान गायत्री परिवार ट्रस्ट, भिवंडी की मुख्य ट्रस्टी अनसूया मोहनलाल खेतिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान आचार्य राजेश भारद्वाज जी के मार्गदर्शन में विभिन्न संस्कार भी संपन्न कराए गए। इनमें 15 विद्यारंभ संस्कार, 5 गुरु दीक्षा तथा 3 अन्नप्राशन संस्कार प्रमुख रहे। संस्कार कार्यक्रम में परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में दयाशंकर गुप्ता, दिनकर सिंह, सुनीता नायक, पी. डी. यादव, सुनील भोसले, महेश मौर्या, चिराग मालदे सहित गायत्री परिवार के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा महिला मंडल, युवा मंडल तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। गायत्री परिवार के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के सामूहिक सहयोग से गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति, संस्कार और गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बोईसर - पालघर पत्रकार संघ द्वारा जि.प.स्कूल में शैक्षणिक सामग्री वितरण व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

वृक्षारोपण व अग्निशमन प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को दिया जागरूकता का संदेश

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर-पालघर पत्रकार संघ(रजि.) द्वारा बुधवार 29 जुलाई 2026 को जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय, पांजरे,केंद्र महागांव, पालघर में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री व घड़ी वितरण तथा वृक्षारोपण एवं अग्निशमन का जनजागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में शिक्षा का महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी के प्रति जागरूकता पैदा की गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, छाते तथा हाथ की घड़ियों मिलने पर उनके चेहरे खिल उठे। वहीं विद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से स्कूल को एक प्रिंटर तथा दीवार घड़ी भी भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पालघर के सहायक श्रम आयुक्त दिनेश दाभाडे, सरकारी श्रम अधिकारी सचिन खलाणे, पूर्व पुलिस उप अधीक्षक के.एस. हेगाडे, राष्ट्रीय मानव अधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग के महासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा तथा सेवानिवृत्त अग्निशमन अधिकारी एस. एस. तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण तथा सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पालघर जिला कांग्रेस के सचिव रामनरेश यादव, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा प्रतीक्षा माली, बोईसर के पूर्व सरपंच काशीराम वलवी, अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी, बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के पदाधिकारी जयप्रकाश पाटील, बी.एन. शुक्ला, प्रवीण पाटील, दीपक निराला, नीता राउत, ओमप्रकाश द्विवेदी, संगीता शाह, तारा पाटील, आंगनवाड़ी सेविका अनिता भवर, दिग्गज वार्ताहर के संपादक संतोष राणे, वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र (राजू) राऊल, अखिलेश चौबे, पराग यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमआईडीसी बोईसर के अग्निशमन दल द्वारा प्रस्तुत किया गया अग्निशमन प्रदर्शन रहा। अग्निशमन केंद्र अधिकारी विजय मोट, सहायक अधिकारी प्रकाश पाटील तथा उनकी टीम ने आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग, आग पर नियंत्रण पाने के विभिन्न तरीकों तथा आपदा के समय बचाव कार्यों का प्रभावी प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने इस प्रदर्शन को अत्यंत रुचि के साथ देखा और अग्नि सुरक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, पत्रकार, शिक्षक, अभिभावक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय के मुख्याध्यापक अशोक भैराट व शिक्षक सुनील शेलार ने विद्यालय की ओर से सभी अतिथियों तथा बोईसर-पालघर पत्रकार संघ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संजय घरत ने किया तथा संघ के महासचिव मोहन म्हात्रे ने पत्रकार संघ के सामाजिक, शैक्षणिक व जनहित कार्यों बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, अग्निशमन विभाग के अधिकारियों व जवानों, पत्रकार साथियों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाजहित, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरण के क्षेत्र में भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किये जाते रहेंगे।

टॉप क्लास स्कूल एजुकेशन छात्रवृत्ति योजना हेतु आवेदन शुरू

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित टॉप क्लास स्कूल एजुकेशन छात्रवृत्ति योजना के तहत OBC, EBC एवं DNT वर्ग के कक्षा 9वीं से 11वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभाग ने पात्र विद्यार्थियों से राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन कर इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाने की अपील की है। योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकरण कर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ जाति प्रमाणपत्र, वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये तक का आय प्रमाणपत्र, पिछली परीक्षा की अंकतालिका, विद्यालय का प्रवेश अथवा अध्ययन प्रमाणपत्र, बैंक पासबुक की प्रति तथा पासपोर्ट आकार का फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद संबंधित विद्यालय अथवा महाविद्यालय द्वारा 15 नवंबर 2026 तक आवेदनों का सत्यापन किया जायेगा।

सामाजिक न्याय विभाग ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि आवेदन करते समय उनका मोबाइल नंबर व ई-मेल आईडी सक्रिय हो। साथ ही आधार कार्ड, बैंक खाते और आवेदन पत्र में दर्ज नाम एवं अन्य विवरण एक समान होना चाहिए। गलत या अधूरी जानकारी देने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है। आवेदन जमा करने के बाद विद्यार्थी समय-समय पर NSP पोर्टल पर अपने आवेदन की स्थिति भी जांचते रहें। ऑनलाइन आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल https://scholarships.gov.in के माध्यम से किये जा सकते हैं।

दीप ग्लोबल स्कूल में आयोजित इंटरेक्ट क्लब का पुनर्गठन व वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर शहर अंतर्गत स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था दीप ग्लोबल स्कूल, सरावली में बुधवार को दीप कैंपस की चेयरपर्सन डॉ. दीपा संखे के संरक्षण एवं प्राचार्या वृंदा कुलकर्णी के मार्गदर्शन में इंटरेक्ट क्लब का पुनर्गठन कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन से हुआ। इसके पश्चात विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष कुमारी सोमेश चौरसिया एवं सचिव माही सरोज ने परंपरानुसार अपने दायित्व नव-निर्वाचित अध्यक्ष कुमारी सिमरन पाधि तथा सचिव अनुष्का पिलगर को विधिवत सौंपे। रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष कुमारी सिमरन पाधी एवं सचिव अनुष्का पिलगर को रोटरी

पिन पहनाकर पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इंटरेक्ट क्लब विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, अनुशासन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का प्रभावी मंच है। वहीं यूथ सर्विस डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी ने विद्यार्थियों को सेवा, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के लिए रोटरी द्वारा उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए समाजोपयोगी कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या वृंदा कुलकर्णी ने सभी अतिथियों, रोटरी पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए नवगठित टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों एवं अतिथियों ने विभिन्न प्रजातियों के 25 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं विद्यालय की इंटरेक्ट क्लब समन्वयक स्मिता मालेकर तथा रोटरी क्लब की इंटरेक्ट समन्वयक डायटीशियन रत्ना सिंह के अथक प्रयासों से संभव हो सका, जिसकी सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों ने सराहना की। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझ्तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, तत्कालीन अध्यक्ष राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट एवं यूथ सर्विस डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी, पास्ट प्रेसिडेंट रमेश मित्तल तथा क्लब कोऑर्डिनेटर डायटीशियन रत्ना सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सद्गुरु दादा महाराज मोरे माउली का पूजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सद्गुरु दादा महाराज मोरे माउली के पूजन एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन लोअर परेल स्थित विठ्ठल मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत संतश्रेष्ठ श्री ज्ञानेश्वर माउली के चित्र का विधिवत पूजन कर की गई। इसके पश्चात सद्गुरु दादा महाराज मोरे माउली ने उपस्थित श्रद्धालुओं को अध्यात्म, सदाचार तथा गुरु भक्ति के महत्व पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। उनके विचारों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हुए जीवन में नैतिक मूल्यों का संदेश दिया।

इसके बाद सामूहिक भजन का आयोजन हुआ। हरिनाम संकीर्तन और भक्ति रस से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। मोरे माउली के अनुयायी भजनों में तल्लीन होकर गुरु भक्ति का अद्भुत अनुभव करते रहे। इस अवसर पर उद्योगपति रामशेठ रिंगे एवं उनके परिवार द्वारा सद्गुरु दादा महाराज मोरे माउली का पाद्य पूजन श्रद्धापूर्वक संपन्न किया गया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से परिपूर्ण इस समारोह ने गुरु पूर्णिमा उत्सव को और अधिक मंगलमय बना दिया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कुंभेरेश्वर महादेव मंदिर में स्वामी शिवरुपानंद महाराज का भक्तों ने लिया आशीर्वाद, उमड़ा आस्था का सैलाब

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। खडवली फाटा स्थित कुंभेरेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर विविध धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी शिवरुपानंद महाराज के नेतृत्व में समाजसेवक राजेन्द्र सिंह सोडा, सुरेश पराटे, गजानंद प्रसादिक भजन मंडली तथा बजरंग दल पडघा सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकताओं के सहयोग से संपन्न हुआ।गुरुपूर्णिमा के अवसर पर सुबह से ही कुंभेरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त स्वामी शिवरुपानंद महाराज का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर परिसर पहुंचे। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वामी शिवरुपानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन के माध्यम से गुरु की महिमा, संस्कार, सेवा, सद्भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान का मार्ग दिखाने वाले नहीं, बल्कि व्यक्ति को संस्कार और सद्मार्ग की दिशा देने वाले होते हैं। उनके विचारों का

श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक लाभ लिया। गुरुपूर्णिमा समारोह के दौरान सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं का भी सम्मान किया गया। स्वामी शिवरुपानंद महाराज के हाथों नवनियुक्त पीएसआई प्रीति योगेश शिंदे तथा महाराष्ट्र शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तर पर गैर-सरकारी सदस्य नियुक्त एवं श्री साई समाज सेवा संस्था की अध्यक्ष स्वाती सिंह का शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों के सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में गजानंद प्रसादिक भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भजन एवं धार्मिक गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं प्रसिद्ध कोली गीत गायक जगदीश पाटिल ने अपने भक्ति गीतों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्तों ने भजन एवं भक्ति गीतों का आनंद लेते हुए कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।गुरुपूर्णिमा के अवसर पर समाजसेवियों की ओर से अन्नदान का भी आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अन्नदान का लाभ लेते हुए प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सेवा, श्रद्धा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजकों, सामाजिक कार्यकताओं, भजन मंडली, बजरंग दल पडघा तथा स्थानीय ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

सेंट अर्नोल्ड्स कॉलेज में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 218 लोगों ने कराया आंखों का परीक्षण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेंट अर्नोल्ड्स नाइट डिग्री कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा ईशा नेत्रालय के सहयोग से गुरुवार को महाकाली गुफा रोड, अंधेरी पूर्व स्थित कॉलेज के असेंबली हॉल में विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जनहित में आयोजित इस शिविर में कुल 218 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई और विशेषज्ञों से निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। शिविर में ईशा नेत्रालय के अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों एवं डॉक्टरों की टीम ने आधुनिक उपकरणों की सहायता से प्रतिभागियों की आंखों की विस्तृत जांच की। जांच के दौरान जरूरतमंद

लोगों को आंखों की देखभाल एवं उपचार संबंधी आवश्यक चिकित्सकीय सलाह भी दी गई। शिविर में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकों, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतर समन्वय, सेवा-भावना और अथक प्रयासों से शिविर सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कॉलेज प्रशासन ने शिविर के आयोजन में सहयोग देने के लिए ईशा नेत्रालय के डॉक्टरों, शिक्षकों, एनएसएस स्वयंसेवकों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशासन ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। ह्यस्वस्थ आंखें, उज्ज्वल भविष्यद्ध के संदेश के साथ आयोजित इस शिविर ने लोगों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही समाजसेवा और निःस्वार्थ सेवा की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

अतिवृष्टि के बाद पालघर जिला परिषद की त्वरित कार्रवाई, 57 क्षतिग्रस्त स्कूलों की मरम्मत जारी

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले में हाल ही में हुई अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति के बाद पालघर जिला परिषद ने विभिन्न विभागों के समन्वय से राहत एवं पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिए हैं। शिक्षा विभाग ने क्षतिग्रस्त स्कूलों की मरम्मत की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित गांवों में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया है। जिला परिषद का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को आवश्यक सेवाएं निर्बाध उपलब्ध कराना और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न होने देना है।

प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार जिले की 57 जिला परिषद स्कूलों को अतिवृष्टि से लगभग 2.67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सबसे अधिक क्षति दहानू और तलासरी तहसील की स्कूलों में दर्ज की गई है। स्कूल भवन, कक्षाएं, छत, दीवारें, प्लास्टर और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रभावित स्कूलों का निरीक्षण और पंचनामा पूरा कर लिया गया है तथा मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों को निऑन फाउंडेशन के सीएसआर फंड से स्कूल यूनिफॉर्म, स्कूल बैग व अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी, जबकि पाठ्यपुस्तकें जिला परिषद अपने स्वनिधि से उपलब्ध करायेगी, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित 66 गांवों में 68 रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) तैनात की हैं। 26 जुलाई तक 4,370 घरों के 14,660 लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। बुखार, दस्त व अन्य बीमारियों से पीड़ित 38 मरीजों का उपचार किया गया। लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम के लिए 5,658 डॉक्सीसाइक्लिन गोलियां वितरित की गईं। सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 342 पानी के नमूनों की जांच की गई तथा 98 जल स्रोतों का क्लोरीनेशन किया गया। मोबाइल मेडिकल यूनिट और चिकित्सा दल लगातार प्रभावित क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। आवश्यक दवाइयों, ओआरएस, क्लोरीन टैबलेट और अन्य आपातकालीन चिकित्सा सामग्री का पर्याप्त भंडार उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन ने 17 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 5,259 ग्रामीणों का सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास किया गया। ग्राम पंचायत, ग्रामसेवक, तलाठी और मंडल अधिकारियों के माध्यम से प्रभावित लोगों के लिए तीन दिनों तक भोजन की व्यवस्था भी की गई। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलों के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

शिवपुर फ्लाईओवर पर स्विफ्ट कार और स्कूटी की भिड़ंत, युवक गंभीर घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र के तरना आरओबी (शिवपुर फ्लाईओवर) पर मंगलवार देर रात करीब 10:30 बजे स्विफ्ट कार और स्कूटी के बीच हुई भीषण टक्कर में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए फ्लाईओवर पर यातायात भी प्रभावित रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर शिवपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को एंबुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए उपचार शुरू किया।

घायल की पहचान और दुर्घटना की परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और विशेषकर फ्लाईओवर पर निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

वाराणसी में अंतरराज्यीय साइबर गैंग का भंडाफोड़, पांच शातिर गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कमिश्नरेट वाराणसी की साइबर क्राइम पुलिस ने म्यूल बैंक खातों और ट्रांजेक्शन एपीके फाइल के माध्यम से देशभर में साइबर ठगी कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण, बैंकिंग दस्तावेज और दो लग्जरी वाहन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 15 एंड्रॉयड मोबाइल, तीन आईफोन, 43 एटीएम कार्ड, 12 पासबुक, 10 चेकबुक, 11 क्यूआर कोड, 12 सिम कार्ड,

एक लैपटॉप, एक डायरी, 12,060 नकद तथा महिंद्रा थार और हुंडई आई-20 कार बरामद की गई है।

पूछताछ में सामने आया कि गिरोह आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड, पासबुक और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी अपने कब्जे में ले लेता था। बाद में इन्हीं खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी की रकम के लेन-देन और उसे विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था।

पुलिस का कहना है कि गिरोह साइबर अपराधियों को म्यूल बैंक खाते और ट्रांजेक्शन एपीके फाइल उपलब्ध कराकर ठगी के नेटवर्क को संचालित करने में मदद करता था। इस गिरोह के तार कई राज्यों से जुड़े होने की आशंका है, जिसके चलते मामले की गहन जांच की जा रही है।

साइबर क्राइम पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनके आपराधिक इतिहास और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही बरामद बैंक खातों और डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच कर साइबर ठगी के अन्य मामलों से भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

मां दुर्गा के जयघोष से गूंजा सब्जी मंडी मंदिर परिसर, भव्य भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रियेश गुप्ता 'रुद्रा'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आदिशक्ति संस्था ट्रस्ट द्वारा

संचालित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, सब्जी मंडी में माता रानी के भव्य दरबार निर्माण कार्य के शुभारंभ के उपलक्ष्य में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन-पूजन किए और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर 'जय माता दी' के गगनभेदी जयघोष से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर नए दरबार के सफल निर्माण तथा जनकल्याण की कामना की। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि माता रानी के भव्य दरबार का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस पुण्य अभियान में तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से मंदिर का भव्य स्वरूप शीघ्र साकार होगा।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, महामंत्री दिलीप जायसवाल, मंत्री संतलाल मद्धेशिया, संरक्षक रूद्रेश जायसवाल, उपाध्यक्ष अंकित यादव एवं सुनील यादव, व्यवस्थापक सत्यम गुप्ता, मीडिया प्रभारी प्रियेश गुप्ता 'रुद्रा' सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गाजीपुर में युवक की गोली मारकर हत्या से सनसनी

.गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के शादियाबाद थाना क्षेत्र के करीमुल्लाहपुर नहर के पास अज्ञात हत्यारों ने कनपटी पर गोली मारकर एक 26 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। बृहस्पतिवार की सुबह खेत के तरफ गए किसानों ने शव देखकर शोर मचाया। आवाज सुनकर घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। मृतक की शिनाख्त मऊ जनपद के रानीपुर गांव के फत्तेपुर निवासी रोहित यादव के रूप में हुई। उसकी पहचान उसके मामा मुकेश यादव ने की। थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम करीमुल्लाहपुर नहर के पास पहुंची तो एक 26 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पड़ हुआ था। मृतक के दाहिने कनपटी पर गोली के निशान थे। आसपास फैला खून भी सूख चुका था। घटना स्थल पर छानबीन से यह पता चल रहा था कि बुधवार की रात हत्यारों ने वारदात को अंजाम दिया होगा। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटी है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

सोनभद्र,रेणुकुट (उत्तरशक्ति)। आध्यात्मिक आस्था और श्रद्धा के प्रतीक गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन बुधवार को रेणुकुट स्थित क्रिया कुटी आश्रम, खाड़पाथर में भक्तिभाव और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम अघोर गुरु पीठ ब्रह्म निष्ठालय, बनौरा (रायगढ़, छत्तीसगढ़) के अधिष्ठाता परम पूज्य औघड़ संत बाबा प्रियदर्शी राम जी के पावन निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले कार्यक्रम की शुरूआत श्री गुरुचरण पादुका पूजन से हुई। इसके बाद सफल योनि पाठ, अघोर गुरु गीता पाठ, आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप घुघुरी और हलुए का वितरण किया गया। संतों ने अपने संबोधन में गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही ज्ञान, सेवा और आत्मबोध का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु के आशीर्वचनों का स्मरण कर श्रद्धालुओं से गुरु के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने परिवार के साथ आश्रम पहुंचे और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति, श्रद्धा और ₹गुरु कृपा ही केवलम्₹ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रिया कुटी आश्रम के व्यवस्थापक मंडल एवं सभी सेवाभावी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी पुलिस गिरफ्त में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, थाना खेतासराय पर दर्ज मुकदमा संख्या 132/2026 में वांछित आरोपी गुलशन विन्द पुत्र शोभनाथ विन्द, निवासी चकमारुफपुर, थाना खेतासराय को रेलवे स्टेशन खेतासराय से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक गुलाब चन्द्र तथा कांस्टेबल रामदेव शामिल रहे।

फब्तियां कस रहे मनचले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो अभियान के तहत पुलिस ने छात्राओं पर अभद्र टिप्पणी और फब्तियां कसने वाले एक मनचले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत इमरानगंज चौकी क्षेत्र में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सूचना मिली कि मोलनापुर मोड़ पर एक युवक आने-जाने वाली लड़कियों पर अशोभनीय टिप्पणियां कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान किसन राजभर पुत्र अच्छेलाल राजभर, निवासी ग्राम रफीपुर, थाना शाहगंज के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध थाना शाहगंज में मु.अ.सं. 262/2026 के तहत धारा 296 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह और वरिष्ठ उपनिरीक्षक चंद्रभान यादव की टीम द्वारा की गई।

कांवड़ यात्रा और चेहल्लुम को लेकर जिला कंट्रोल रूम सक्रिय, 24 घंटे तैनात रहेंगे अधिकारी-कर्मचारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास, कांवड़ यात्रा एवं चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 22 जुलाई 2026 को हुई बैठक के निर्देशों के क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार के प्रथम तल पर जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों और कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है, जो 24 घंटे पर्वों से संबंधित सूचनाओं, समस्याओं और व्यवस्थाओं पर नजर रखेंगे। प्रशासन ने सभी तैनात अधिकारियों को अपनी ड्यूटी अवधि में पूरी जिम्मेदारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। जिला कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी चकबंदी अधिकारी शशि प्रताप सिंह तथा प्रभारी अधिकारी चकबंदी अधिकारी अशोक मोहन श्रीवास्तव बनाए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य कांवड़ यात्रा और चेहल्लुम को आपसी भाईचारे एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना होने पर कंट्रोल रूम को अवगत कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रावण मास के प्रथम दिन बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के किए दर्शन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास के प्रथम दिन मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह श्री काशी विश्वनाथ धाम और काशी कोतवाल बाबा काल भैरव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री सबसे पहले बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने वैदिक रीति से पूजा-अर्चना और आरती कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर गर्भगृह में षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन किया। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों ने ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष के साथ उनका स्वागत किया, जिसका मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास में श्रद्धालुओं और

कांवड़ यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे श्रावण मास में सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन की व्यवस्था प्रभावी एवं निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पूर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भी बाबा काल भैरव और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए थे। इस अवसर पर विधायक नीलकंठ तिवारी, अवधेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अनंता एक्सप्रेस के कर्मचारियों ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्सा क्षेत्र स्थित होटल 'गोल्डन ट्री' के निकट अनंता

एक्सप्रेस के कर्मचारियों ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू और स्वच्छता संबंधी स्लोगन लिखे बैनर लेकर लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान कर्मचारियों ने आसपास के परिसर की सफाई करते हुए लोगों से अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। कर्मचारियों ने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल बेहतर स्वास्थ्य का आधार है, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

अकोमोडेशन मैनेजर ने बताया कि संस्था का उद्देश्य अपने आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देना और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि इस 'ग्रीन एक्टिविटी' के माध्यम से आमजन को स्वच्छता अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया जा रहा है।

अभियान के दौरान सभी कर्मचारियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मास्क और ग्लव्स पहनकर सफाई कार्य किया। साथ ही उपस्थित लोगों से 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के संकल्प को अपनाने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

जल जीवन मिशन की समीक्षा: डीएम ने समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न ग्रामों में संचालित पेयजल परियोजनाओं, रोड रेस्टोरेशन, कार्यों की गुणवत्ता और परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन, ओवरहेड टैंक निर्माण और जलापूर्ति व्यवस्था का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और साफ-सफाई प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए।

उन्होंने भूमि विवाद और विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का संबंधित विभागों के समन्वय से शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में कार्य धीमी गति से चल रहे हैं, वहां श्रमिकों की संख्या बढ़ाने तथा आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराकर कार्य में तेजी लाने को कहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अधिकारियों को जलापूर्ति संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण, नियमित स्थलीय निरीक्षण तथा परियोजनाओं की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शासन को समय-समय पर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने पाइपलाइन को क्षति पहुंचाने वाली संस्थाओं एवं एजेंसियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों और कार्यदायी संस्थाओं से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में जल सारथी मोबाइल ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस ऐप के माध्यम से ग्रामीण नागरिक पेयजल योजनाओं की रीयल टाइम जानकारी, शिकायत दर्ज करने और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने मनाई वरिष्ठ नेता स्व.प्रेमलाल यादव की पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के पिलकिछा स्थित ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता स्व. प्रेमलाल यादव की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि स्व. प्रेमलाल यादव उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी और अन्याय के खिलाफ हमेशा मुखर रहने वाले नेता थे। उन्होंने कहा कि स्व. यादव दबे-कुचले, शोषित और वंचित वर्ग की बुलंद आवाज थे तथा गांधीवादी विचारधारा के सच्चे अनुयायी थे। उनका जीवन सत्य, न्याय और जनसेवा के लिए समर्पित रहा, जो आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एवं स्व. प्रेमलाल यादव के पौत्र, यूथ कांग्रेस शाहगंज विधानसभा अध्यक्ष रत्नेश यादव ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दादा ने हमेशा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और समाज की सेवा करने की सीख दी, जिसे आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खुटहन के अध्यक्ष विपिन शर्मा ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा, विनोद त्रिपाठी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी परवेज आलम भुट्टो, डॉ. अनिल पांडेय, देवराज पांडेय, देवेश उपाध्याय, परवेज अहमद, इरशाद खान, जियालाल यादव, शैलेन्द्र यादव, रामजीत विश्वकर्मा, बाढ़ूराम केवट, पं. पवन शर्मा, भारत लाल यादव, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, दिनेश यादव, चंद्रशेखर, रवि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में गुरु पूर्णिमा उत्सव का भव्य आयोजन, नन्हे स्वयंसेवकों के समर्पण ने मोहा मन

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज मानीकलाँ के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की श्रीराम जानकी शाखा की ओर से 29 जुलाई को गुरु पूजा उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरु मानकर विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ गुरु दक्षिणा अर्पित की।

समारोह का मुख्य आकर्षण नन्हे बाल स्वयंसेवकों का समर्पण रहा। वेदान्त, मयंक, राघव, राघवी, किशन और गणेश ने अपनी छोटी-छोटी गुल्लकें भगवा ध्वज के समक्ष समर्पित कर राष्ट्रभक्ति और संस्कारों की अनूठी मिसाल पेश की। बच्चों के इस भावपूर्ण समर्पण ने उपस्थित लोगों का मन जीत लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ हुआ। शुभम मोदनवाल ने गणगीत प्रस्तुत किया, संदीप बिंद ने अमृत वचन का वाचन किया, जबकि भास्कर तिवारी के एकल गीत ने वातावरण को देशभक्ति के भाव से भर दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सोंधी खंड के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख एवं विश्वनाथ इंटर कॉलेज कलान, सुल्तानपुर के प्राचार्य हृदय नारायण जी ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा, अनुशासन और संस्कारों के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण भारतीय संस्कृति की अमूल्य परंपरा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्यारे लाल मोदनवाल ने की। आयोजन का संचालन सह मंडल कार्यवाह रमेश जायसवाल एवं शाखा कार्यवाह विक्की के मार्गदर्शन में हुआ। मुख्य शिक्षक विवेक प्रजापति ने अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। इस अवसर पर खंड संघचालक सर्वेश जी, खंड कार्यवाह अखिलेश जी, अशोक बेनवंशी, आदेश कश्यप, अवधेश साहू, आनंद साहू, राजेश गुप्त, संतोष सेठ, मनोज साहू, रौनक चौरसिया, आर्यन चौरसिया, साहुल बिंद सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संघ की प्रार्थना एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। अंत में मंडल कार्यवाह जय प्रकाश गुप्त ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी स्वयंसेवकों और उपस्थित गणमान्य लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आर्यन राय ने नीट-2026 में 613 अंक हासिल कर बढ़ाया क्षेत्र का मान, गांव में जश्न का माहौल

मुहम्मद आरिफ

लालगंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अमौडा गांव के होनहार छात्र आर्यन राय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन किया है। आर्यन ने 720 अंकों में से 613 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक (अक्फ़) 6520 हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आर्यन राय ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और कठिन परिश्रम को दिया। उन्होंने बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी उन्होंने एलन (अछ्छएठ) कोटा से की। नियमित अध्ययन, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें यह मुकाम दिलाया।

आर्यन की शैक्षणिक उपलब्धियां भी शुरू से ही उत्कृष्ट रही हैं। उन्होंने वर्ष 2023 में देव प्रयाग स्कूल से कऊरए बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 500 में 480 अंक प्राप्त किए। इसके बाद वर्ष 2025 में विद्यांजलि एकेडमी से उइरए बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में 500 में 460 अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अब नीट-2026 में शानदार सफलता प्राप्त कर उन्होंने डॉक्टर बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है।

आर्यन के पिता संदीप राय एवं माता पूनम राय ने बेटे की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का यह परिणाम है। आर्यन ने अपनी सफलता के बाद सबसे पहले अपने दादा गुलाब राय और दादी प्रेमा राय का आशीर्वाद लिया। परिवार के सभी सदस्यों ने मिठाई खिलाकर उनकी उपलब्धि का स्वागत किया।

आर्यन राय मूल रूप से ग्राम अमौडा, पोस्ट पंदहा, तहसील लालगंज, जनपद आजमगढ़ के निवासी हैं। उनके चयन की खबर मिलते ही गांव में बधाई देने वालों का तांता लग गया। ग्रामीणों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने आर्यन को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, दीपक राय, निवर्तमान मीडिया प्रभारी पंकज राय, गुलाब राय, महेंद्र राय, प्रदीप राय, उत्कर्ष राय, तेजस राय, प्रीति राय, रंजना राय, संजय सिंह, सुभाष यादव, शशिकांत श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव, चंद्रभूषण सिंह (प्रधान), ओमप्रकाश सिंह (प्रधान), संजू सिंह (ठेकेदार), सतीश दुबे, डॉ. जे.पी. यादव, संजय राय, मनोज राय, अमरीश राय, सुरेश राय तथा रामजोर राय (अधिवक्ता) सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने आर्यन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवैध अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग मेहरबान, मरीजों की जान से हो रहा खिलवाड़

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ठीक आसपास और केराकत ब्लॉक क्षेत्र के लगभग सभी छोटे-बड़े बाजारों में इन दिनों अवैध अस्पतालों का जाल फैला हुआ है। आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की शह पर ये अस्पताल बेधड़क चल रहे हैं, जहां न सिर्फ मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है, बल्कि उनसे मोटी रकम भी वसूली जा रही है।

स्थानीय लोगों की मानें तो विभागीय साठगांठ के चलते इन अवैध अस्पतालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। यदि कभी कभार किसी मरीज के साथ कोई ऊंच नींच हो गई और बवाल हो गया तो ही कार्रवाई होती है। आलम यह है कि केराकत बाजार से लेकर ग्रामीण इलाकों की दुकानों और मकानों में बिना किसी वैध लाइसेंस या मानक के अस्पताल खोल दिए गए हैं। इन सेंटरों पर गंभीर मरीजों को भर्ती करने से लेकर अवैध तरीके से प्रसव और एबॉर्शन तक का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

हाल ही में नाउपुर गांव में एक गर्भवती महिला की ऐसे ही एक अवैध अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा और बवाल काटा था। तब जाकर प्रशासनिक दबाव में स्वास्थ्य विभाग जागा और आनन-फानन में उस अस्पताल पर सीलिंग व एफआईआर की कार्रवाई की गई। हालांकि इस घटना के बाद भी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। ग्रामीणों की शिकायत है कि विभाग सिर्फ कोई हादसा होने पर ही दिखावे के लिए जागता है, जबकि इलाके के बाकी बाजारों में अभी भी कई गैर-कानूनी अस्पताल धड़ल्ले से चल रहे हैं। पैसों की खातिर मरीजों की जिंदगी दांव पर लगाने वाले स्वास्थ्य विभाग के इस पूरे खेल को लेकर क्षेत्र के नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

महिला उद्यमियों के उत्पादों की प्रदर्शनी हेतु किफायती दरों पर मिले सभागृह: गोपाल शेट्टी

मुंबई। महिला उद्यमियों के साथ-साथ लघु और मध्यम उद्योग क्षेत्र के व्यवसायियों को उनके उत्पादों के प्रदर्शन के लिए किफायती दरों पर सभागृह उपलब्ध कराने के संबंध में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में महापौर श्रीमती रितु राजेश तावडे के कक्ष में हुई संयुक्त बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ उत्तर मुंबई भाजपा के जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावडे, नगरसेवक सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. योगेश दुबे तथा 'रंग' संस्था की संचालिका श्रीमती वैशाली चव्हाण उपस्थित रहीं।

आर.आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट मराठी प्राथमिक विद्यालय में कॉपियों का वितरण

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आर.आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट मराठी प्राथमिक विद्यालय के हमारे सभी जरूरतमंद विद्यार्थियों को कॉपियों का वितरण किया गया।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के लिए कॉपियों का वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित करने वाली आर.आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट बी.एड. कॉलेज की प्राध्यापिका श्रीमती डॉ. शशिकला पटेल मैडम के प्रति हम विशेष रूप से आभारी हैं। उनके इस उदार सहयोग के कारण अनेक विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सकी है। हमारे सभी विद्यार्थी इन कॉपियों का सदुपयोग करते हुए मन लगाकर अध्ययन करेंगे, ऐसा विश्वास व्यक्त करते हुए मैं, विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती अपूर्वा पवार, उनके इस प्रेरणादायी सहयोग एवं अपने दायित्व के प्रति उनकी संवेदनशीलता के लिए हृदयपूर्वक कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर शनि मंदिर से छह किलो का घंटा चोरी

चंदवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र के बजरंग नगर पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित शनि महाराज मंदिर से दिनदहाड़े करीब छह किलो वजनी घंटा चोरी हो गया। घटना से क्षेत्र के लोगों में रोष है। मंदिर के पुजारी सुमित दुबे ने बताया कि बुधवार दोपहर अज्ञात चोर मंदिर में लगा करीब छह किलो का घंटा उतारकर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों का कहना है कि पुलिस चौकी के इतने करीब चोरी की वारदात होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रेलवे अंडरपास बना मुसीबत, बारिश के पानी से धनीपुर-झींगुरिया मार्ग पर आवागमन प्रभावित

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसात के बाद धनीपुर-झींगुरिया मार्ग पर भगवानपुर गांव के पास स्थित रेलवे अंडरपास में जलभराव हो गया है। अंडरपास में पानी भरने से क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी कई दिनों तक अंडरपास में जमा रहता है। मजबूरी में लोग पानी के बीच से होकर गुजर रहे हैं। इससे बाइक, साइकिल सवारों के साथ ही पैदल राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में हर साल यही समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका है। जलभराव के कारण स्कूली बच्चों, किसानों, मजदूरों और नौकरीपेशा लोगों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने रेलवे और संबंधित विभाग से तत्काल जल निकासी कराने तथा अंडरपास में स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं संपर्क करने पर एसएससी वर्क बलराम ने बताया कि अंडरपास में भरे पानी की समस्या का जल्द समाधान करा दिया जाएगा, जिससे लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों पर परिवहन विभाग की कार्रवाई, 6 बाइक चालकों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात नियमों के पालन और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर परिवहन विभाग ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगे दोपहिया वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में 6 दोपहिया वाहनों का चालान किया गया।

परिवहन विभाग की टीम ने सिपाह चौराहा, जेसीज चौराहा, रोडवेज तिराहा और मछलीशहर पड़ाव समेत कई स्थानों पर वाहन जांच की। इस दौरान 2 वाहनों से नियम विरुद्ध लगाए गए मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाए गए। एआरटीओ (प्रवर्तन) सत्येंद्र कुमार सिंह ने वाहन चालकों से अपील की कि वे मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और यह यातायात नियमों का उल्लंघन है। अभियान के दौरान यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार और प्रवर्तन सिपाही मौजूद रहे। इसके साथ ही विभाग की टीम ने जिले के 3 मोटरसाइकिल गैराजों का औचक निरीक्षण भी किया। परिवहन विभाग ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बजरंग नगर विद्युत उपकेंद्र पर मरम्मत कार्य, दो दिन पांच घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बजरंग नगर 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर तकनीकी सुधार कार्य के चलते 31 जुलाई और 1 अगस्त को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग द्वारा पावर ट्रांसफार्मर की सुरक्षा के लिए 33 केवी कंट्रोल पैनल बदलने का कार्य कराया जाएगा। उपखंड अधिकारी बिक्रमवीर सिंह ने बताया कि मरम्मत कार्य के कारण दोनों दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान उपकेंद्र से जुड़े 11 केवी सेनापुर, अमहित, कनौरा और ब्राह्मणपुर फीडरों से संबंधित सभी गांवों एवं बाजारों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित, मजबूत एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कार्य पूरा होते ही आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। साथ ही असुविधा के लिए उपभोक्ताओं से खेद व्यक्त किया गया है।

इंदौर में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हटवाए खुद के फोटो लगे होर्डिंग, बोले- नियम सबसे ऊपर

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर। शहर में नियमों के पालन और कानून के समान अनुपालन का संदेश देते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एक अहम पहल की है। महापौर के निर्देश पर सबसे पहले उनके फोटो लगे सभी अवैध होर्डिंग तत्काल हटाए गए। इसके साथ ही उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को शहरभर में सभी अवैध होर्डिंग हटाने के निर्देश भी दिए हैं ।महापौर ने स्पष्ट किया कि समर्थकों और कार्यकताओं ने भावनावश शहर के विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगाए थे, लेकिन नियमों से ऊपर कोई नहीं है। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शहर में कहीं भी, किसी भी व्यक्ति या संगठन के अवैध होर्डिंग लगे हों, बिना किसी भेदभाव के सभी को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि इंदौर की पहचान केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमों के पालन और सुव्यवस्थित शहर के रूप में भी बनी रहनी चाहिए। शहर की सुंदरता बनाए रखने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अवैध होर्डिंग हटाना जरूरी है ।महापौर ने कहा स्वच्छ, सुंदर और नियमों का पालन करने वाला इंदौर ही हमारी पहचान है। कानून सबके लिए समान है और उसका पालन भी सभी को करना होगा। होर्डिंग्स को लेकर इंदौर में जीरो टॉलरेंस है। न्यायालय के भी निर्देश हैं। इसलिए मेरा सबसे आग्रह है कि अवैध होर्डिंग्स ना लगाएं और कल रात को मुझे यह जानकारी मिली कि कावड़ से संबंधित कुछ होर्डिंग्स मेरे फोटो के साथ भी लगे हैं। मैंने तुरंत विभाग को निर्देश दिए कि उन सब होर्डिंग्स को हटाया जाए और भी जहां इस तरीके से शहर की सुंदरता और स्वच्छता को नुकसान पहुंचाते हुए होल्डिंग्स लगाए जा रहे हैं, उनको हम लगातार हटाते रहेंगे।

गुरू तत्व की महिमा केवल भारत वर्ष में ही है : प्रेमभूषण महाराज

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। गुरू तत्व की महिमा केवल भारत वर्ष में ही है, यह उद्‌गार पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने अपने पावन सानिध्य में आयोजित एक शाम राम के नाम कार्यक्रम में व्यक्त किया। गुरू महिमा का वर्णन करते हुए पूज्यश्री ने कहा कि गुरू को अपने शिष्य के लाभ की नहीं बल्कि सदैव उसके कल्याण की चिंता होनी चाहिए।

गुरूतत्व को व्यक्ति और भगवान के बीच दुभाषिया की संज्ञा प्रदान करते हुए कहा कि गुरू दीक्षा लेकर भजन करने वाले के सभी प्रश्न स्वयं समाप्त हो जाते हैं। गुरू चरण रज जीव के जीवन में कल्याणकारी क्रांति लाती है। पंच

देवो की उपासना करने वाले को ही सनातन धर्मी बतलाते हुए कहा कि, त्रिदेवों की सत्ता को ललकारना सदैव विनाशकारी होता है अतः इससे बचा जाए। पूज्यश्री ने समाज को सचेत करते हुए कहा कि जिस प्रकार गुरू का कठोर निर्णय शिष्य का मंगल करता है उसी प्रकार परिवार की रक्षा के लिए एक कठोर निर्णयकारी व्यक्ति का होना अति आवश्यक होता है। तुलसी बाबा की असाधारण लेखनी को अकाट्य बतलाते हुए पूज्यश्री ने कहा कि कथाओं से संस्कार अवतरित होता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को इसका श्रवण अवश्य करना चाहिए।

आषाढ़ी वारी में सुमीत ग्रुप द्वारा स्वच्छता अभियान शुरू

मुंबई/पंढरपुर। आषाढ़ी वारी के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और पंढरपुर को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। करीब दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान की शुरूआत पुणे से वारी के पंढरपुर पहुंचने से एक सप्ताह पहले की गई। आषाढ़ी एकादशी के बाद वारकरियों के लौटने के एक सप्ताह तक यह अभियान जारी रहेगा। इस अभियान के लिए करीब १,००० कर्मचारियों की विशेष टीम तैनात की गई है। अभियान के तहत विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर परिसर, मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों, लगभग १०० एकड़ क्षेत्र तथा चंद्रभागा नदी के घाटों पर नियमित सफाई की गई। इसके अलावा कचरा संग्रहण, उसका पृथक्करण एवं वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया गया। सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज के कार्यकारी अध्यक्ष सुमीत सालुंखे ने कहा, पंढरपुर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इस पवित्र नगरी की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। आषाढ़ी वारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने में योगदान देना हमारे लिए समाज सेवा का एक विनम्र प्रयास है। हमारा मानना है कि वास्तविक उपक्रम वही है, जो अपने कार्यों के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव छोड़े। हमें उम्मीद है कि इस पहल से श्रद्धालुओं का अनुभव अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और गरिमापूर्ण बनेगा।

पालघर के तटीय क्षेत्रों में सी प्रोटेक्शन वॉल्स के लिए केंद्रीय फंड की मांग, सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली/पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से पालघर जिले के तटीय क्षेत्रों में सी प्रोटेक्शन वॉल्स (समुद्री सुरक्षा दीवारों) के निर्माण के लिए डिजास्टर मिटिगेशन स्कीम के तहत केंद्रीय वित्तीय सहायता शीघ्र स्वीकृत करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने 29 जुलाई को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात कर विस्तृत प्रतिनिधित्व सौंपा।

सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने बताया कि पालघर जिले की लगभग 110 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा हर वर्ष समुद्री कटाव, ज्वार-भाटा, ऊंची लहरों और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होती है। समुद्र का पानी तटीय गांवों में प्रवेश कर घरों, कृषि भूमि, बागवानी, सड़कों तथा अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण मछुआरा समुदाय और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों की आजीविका और सुरक्षा लगातार खतरे में रहती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार डिजास्टर मैनेजमेंट स्कीम के तहत पालघर जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा दीवारों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा है। राज्य सरकार के संबंधित विभागों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।

प्रस्ताव के अनुसार पालघर और दहानू तालुका में सार्वजनिक निर्माण विभाग (ढहऊ) के 13 कार्यों को शामिल किया गया है, जिनकी कुल अनुमानित लागत 12,226.76 लाख रुपये (लगभग 122.26 करोड़ रुपये) है। सांसद डॉ. सावरा ने केंद्रीय गृह मंत्री से इस प्रस्ताव को शीघ्र मंजूरी प्रदान कर डिजास्टर मैनेजमेंट फंड से आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

डॉ. सावरा ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना के स्वीकृत होने और कार्य शुरू होने से हजारों परिवारों के जीवन, आजीविका और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। साथ ही महाराष्ट्र के इस महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र में आपदा प्रबंधन क्षमता और आपदा से निपटने की तैयारियां भी अधिक मजबूत होंगी।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट, चार घायल, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और फावड़े चले, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि रसूलपुर गांव निवासी भोला शंकर पटेल और रामधनी पटेल के बीच काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2:45 बजे भोला शंकर खेत में पानी भरने के बाद जुताई करने जा रहे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष ने विरोध किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट में भोला शंकर पटेल, भरत लाल पटेल, राजब्रिज पटेल और रामधनी पटेल घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

सीएचसी के चिकित्सक डॉ. एमएस यादव ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एडामस यूनिवर्सिटी ने सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की

मुंबई। एडामस यूनिवर्सिटी ने आज विश्व के अग्रणी एजेंटिक एआई ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) मंच सेल्सफोर्स के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत पश्चिम बंगाल का पहला सेल्सफोर्स एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। यह पहल अनुभव-आधारित शिक्षण और एंटरप्राइज तकनीक के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उद्योग के अनुरूप कुशल स्नातक तैयार करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

इस साझेदारी के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को एजेंटफोर्स, एजेंटफोर्स 360 प्लेटफार्म, टेब्ल्यू तथा डाटा 360 जैसी सेल्सफोर्स तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। इन तकनीकों को पाठ्यक्रम में शामिल करके एडामस यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुप्रयोग विकसित करने, एंटरप्राइज कार्यप्रवाह तैयार करने, विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड बनाने तथा विश्व की अग्रणी संस्थाओं द्वारा अपनाई जा रही तकनीकों के माध्यम से वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अरुंधति भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट एंड सीईओ एट सेल्सफोर्स - साउथ एशिया ने कहा, एआई का दौर सिर्फ. टेक्नोलॉजी से तय नहीं होगा, बल्कि उस टैलेंट की क्वालिटी से तय होगा जिसे हम इसे ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेंगे। जैसे-जैसे एआई हर इंडस्ट्री को बदल रहा है, यूनिवर्सिटी के पास सिर्फ.ज्ञान देने से आगे बढ़कर ऐसे प्रॉब्लम-सॉल्वर (समस्या सुलझाने वाले) तैयार करने का एक अनोखा मौका है जो असल दुनिया की बिजनेस चुनौतियों को हल करने के लिए एआई, डेटा और डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर सकें।

एडामस यूनिवर्सिटी के चांसलर, प्रोफेसर (डॉ.) समित रे ने कहा, एडामस यूनिवर्सिटी में, हमारा मकसद स्टूडेंट्स को न सिर्फ. आज के करियर के लिए, बल्कि आने वाले कल के मौकों के लिए भी तैयार करना है।

श्री रामानुग्रह आश्रम, कानपुर में आषाढ़ी पूर्णिमा पर गुरु पूजन महोत्सव का भव्य आयोजन

कानपुर। आषाढ़ी पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) के पावन अवसर पर श्री रामानुग्रह आश्रम, कानपुर में गुरु पूजन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। आश्रम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी विनय स्वरूपानंद सरस्वती के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान गुरु पूजन, हवन, यज्ञ एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति और श्रद्धालुओं की अनुशासित सहभागिता पूरे समारोह का प्रमुख आकर्षण रही। स्वामी विनय स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के प्रति शिष्यों की अटूट श्रद्धा, समर्पण और गुरु-भक्ति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

मुंबई, महाराष्ट्र, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने गुरुदेव के दर्शन को जीवन का सौभाग्य और अपने पितरों के पुण्यों का प्रतिफल बताया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पवित्र बिठूर स्थित ब्रह्मावर्त तीर्थ में गंगा स्नान कर ऐतिहासिक मंदिरों में दर्शन-पूजन भी किया। गुरु कृपा से अभिभूत बालक, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं के उत्साह, भक्ति और आनंदमय वातावरण ने पूरे महोत्सव को अविस्मरणीय बना दिया। आध्यात्मिक आस्था, अनुशासन और गुरु-शिष्य परंपरा का यह भव्य आयोजन श्रद्धालुओं के लिए जीवनभर स्मरणीय अनुभव बन गया।

काशी में गुरु वंदना का महापर्व: मठ, मंदिर और आश्रमों में उमड़ी श्रद्धा वेदपाठ, चरण पूजन, भंडारे और सत्संग से दिनभर गूंजती रही धर्मनगरी

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को काशी की आध्यात्मिक धड़कन अपने चरम पर रही। भोर की पहली आरती के साथ ही मठों, मंदिरों और आश्रमों के कपाट खुले और गुरु वंदना का महापर्व आरंभ हो गया। गंगा तट से लेकर शहर के प्राचीन अखाड़ों तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। वेदपाठ, चरण पूजन, भजन-कीर्तन, सत्संग और भंडारों ने पूरी काशी को आध्यात्मिक उत्सव में बदल दिया। सबसे अधिक श्रद्धालु श्री काशी विश्वनाथ धाम, कालभैरव मंदिर, संकटमोचन मंदिर, दुगार्कुंड, तुलसी मानस मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर में पहुंचे। मंदिरों में विशेष श्रृंगार किया गया और गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रवचन हुए। संकटमोचन परिसर में सुंदरकांड पाठ और सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन देर शाम तक चलता रहा। काशी विश्वनाथ मंदिर में भव्य एवं विशेष आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा विश्वनाथ का दिव्य श्रृंगार कर उन्हें राजसी पोशाक धारण कराई गई।

मंदिर परिसर में देर रात तक दर्शन-पूजन का सिलसिला जारी रहा। गढ़वाघाट स्थित संतमत पीठ पर गुरु स्वामी सरनानंद जी महाराज के दर्शन हेतु सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। पूरा आश्रम क्षेत्र भक्ति, अनुशासन और अध्यात्म से सराबोर रहा। भक्तों ने उनके श्रीचरणों में वंदन कर पादुका पूजन किया। भजनों की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार से आश्रम गूंज उठा। कबीरचौरा मठ में संत कबीर की वाणी का अखंड पाठ हुआ। सारनाथ स्थित बौद्ध विहारों में भी गुरु पूर्णिमा को धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस के रूप में मनाया गया। सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर में विशेष गुरु पूजन और कीर्तन हुआ। संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर समरसता संकल्प के साथ श्रद्धालुओं ने सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया ।जंगमबाड़ी मठ, निवार्णी अखाड़ा, निरंजनी अखाड़ा, दशनाम संन्यासी आश्रम, रामानुज एवं वैष्णव मठों में शिष्यों ने अपने गुरुओं का पाद पूजन कर आशीर्वाद लिया। अस्सी, तुलसी और पंचगंगा घाट पर सुबह से ही साधु-संतों की मंडलियां जुटीं। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं का तिलक कर चरण स्पर्श किया। शाम को दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती में गुरु पूर्णिमा की विशेष आरती उतारी गई, जिसमें देशभर से आए श्रद्धालु शामिल हुए।

गंगा की लहरों पर उतरा सावन, काशी हुई अलौकिक

-सुरेश गांधी

वाराणसी। सुबह की पहली बारिश ने जैसे ही काशी की गलियों को भिगोया, शहर ने बिना किसी घोषणा के मान लिया–सावन आ गया है। भीगे पत्थरों से उठती मिट्टी की गंध, गंगा की सतह पर गिरती बूंदों की लय और मंदिरों से आती घंटियों की ध्वनि ने गुरुवार को काशी को शिवमय कर दिया। श्रावण मास के प्रथम दिवस पर ऐसा लगा मानो पूरी नगरी एक साथ महादेव की ओर चल पड़ी हो। भोर का पहला उजाला अभी गंगा की सतह पर पूरी तरह फैला भी नहीं था कि दशाश्वमेध घाट से लेकर बाबा विश्वनाथ गंगा द्वार तक व राजेन्द्र प्रसाद घाट से लेकर अस्सी घाट की सीढ़ियों पर घंटियों की आवाज उतरने लगी। दूर कहीं शंख बजा, फिर एक स्वर उठा–हर-हर महादेव–और देखते ही देखते वह स्वर लहर बनकर घाट से गलियों तक फैल गया। सावन की पहली सुबह काशी ने जैसे अपनी प्राचीन स्मृतियों का द्वार खोल दिया हो। दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालुओं का जमघट लग गया। कोई गंगा स्नान कर रहा था, कोई कलश में जल भर रहा था, तो कोई सीढ़ियों पर बैठकर शिव चालीसा का पाठ कर रहा था। केसरिया वस्त्र पहने कांवड़िए कतारबद्ध होकर जल भरते दिखाई दिए। उनके कंधों पर सजी कांवड़, हाथों में डमरू और होंठों पर हर-हर महादेव का उद्घोष पूरे घाट को भक्तिरस से भर रहा था।

अस्सी से दशाश्वमेध तक चलते हुए लगा कि शहर चल नहीं रहा, श्रद्धा बह रही है। गीले पत्थरों पर नंगे पांव उतरते श्रद्धालु, हाथों में कलश लिए महिलाएं, कंधों पर केसरिया कांवड़ उठाए युवक और उनके पीछे-पीछे चलते बुजुर्ग–हर चेहरा अलग था, पर आंखों में एक ही दिशा थी, बाबा विश्वनाथ की ओर। अस्सी से राजघाट तक गंगा किनारे हर दृश्य आस्था का जीवंत चित्र था। हल्की फुहारों के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। कई परिवार बच्चों और बुजुर्गों के साथ स्नान कर सीधे विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ते दिखे। नाविकों का कहना था कि सुबह से ही घाटों पर सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक भीड़ रही। श्री काशी विश्वनाथ धाम के बाहर लंबी कतारें सुबह से ही लग गई थीं। बैरिकेडिंग के बीच धीरे-धीरे आगे बढ़ते श्रद्धालुओं के चेहरों पर थकान से अधिक प्रतीक्षा का तेज था। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही घंटों, शंखों और वैदिक मंत्रों की ध्वनि वातावरण को अलौकिक बना रही थी। शिवलिंग पर जलाभिषेक का क्रम लगातार चलता रहा। बेलपत्र, धतूरा, आक और गंगाजल अर्पित करते श्रद्धालुओं की आंखों में गहरी श्रद्धा झलक रही थी। इसी भीड़ के बीच काशी की संवेदनशीलता का एक मार्मिक दृश्य भी सामने आया। राजस्थान के झुंझुनू जनपद से दर्शन के लिए आई श्रद्धालु श्रीमती संजना गोयल अपने सहयोगी दल से बिछुड़ गईं। भीड़ में अकेली रह गई महिला की सूचना मिलते ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास सक्रिय हो गया। मंदिर प्रशासन ने उपलब्ध विवरण के आधार पर उनके सुपुत्र से दूरभाष पर संपर्क स्थापित किया, परिजनों को स्थिति की जानकारी दी और तत्परता से उन्हें सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाने की व्यवस्था की। भीड़ के बीच यह घटना केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं, बल्कि तीर्थ की मानवीय आत्मा का परिचय बन गई। धाम में सक्रिय हेल्पडेस्क, सूचना केंद्र और खोया-पाया केंद्र लगातार श्रद्धालुओं की सहायता करते रहे। मंदिर न्यास के कर्मियों को कई स्थानों पर बुजुर्गों और महिलाओं को मार्गदर्शन देते देखा गया। श्रावण मास के दौरान 24 घंटे सहायता व्यवस्था बनाए रखने का दावा गुरुवार को जमीन पर दिखाई भी दिया। विश्वनाथ गली में सावन का अलग ही रंग था। फूलों की दुकानों पर भीड़, बेलपत्र के गट्ठर, रुद्राक्ष मालाएं, भस्म और पूजा सामग्री खरीदते श्रद्धालु, गर्म जलेबी और मालपुए की खुशबू–हर मोड़ पर उत्सव का विस्तार दिखाई देता था। दुकानदारों के अनुसार सुबह से ही बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही। कांवड़ियों का प्रवाह दोपहर बाद और तेज हो गया। पूर्वांचल और बिहार से आए जत्थे बारिश की बूंदों के बीच भी निर्बाध आगे बढ़ते रहे। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने शरबत, फल और चिकित्सा सहायता के शिविर लगाए। सड़क किनारे बैठकर पैर धोते कांवड़ियों के चेहरे पर यात्रा की थकान कम और बाबा तक पहुंचने का संतोष अधिक दिखाई देता था। शाम ढलते-ढलते दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती ने सावन की पहली तारीख को पूर्णता दी। बादलों से ढका आकाश, गंगा पर तैरती रोशनी और आरती की लौ के बीच हजारों श्रद्धालु मंत्रमुग्ध खड़े रहे। उस क्षण काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि साझा आस्था की धड़कन बन गई थी।

10-12 वर्षों की सेवा के बाद ठेका कर्मचारियों का दर्द, 'बिना नोटिस नौकरी से निकाला, धमकियां दी गईं', मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

-लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), मुंबई के इलेक्ट्रिकल डिवीजन-2 में वर्षों से कार्यरत ठेका कर्मचारियों ने ठेका एजेंसी परफेक्ट इलेक्ट्रिकल वर्क्स पर गंभीर आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजी गई शिकायत में कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि एजेंसी द्वारा मानसिक एवं आर्थिक उत्पीड़न, वेतन में कथित अवैध कटौती, आपराधिक धमकी और श्रम कानूनों का उल्लंघन किया गया। शिकायत के अनुसार कई कर्मचारी पिछले 10 से 17 वर्षों से विभाग में सेवाएं दे रहे थे। आरोप है कि एजेंसी ने कर्मचारियों पर कम वेतन स्वीकार करने का दबाव बनाया और विरोध करने पर नौकरी से निकालने तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। कर्मचारियों का कहना है कि 17 मई 2026 को विभागीय अधिकारियों को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि 22 जुलाई 2026 को बिना किसी पूर्व सूचना, कारण बताओ नोटिस, लिखित आदेश और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए उन्हें सेवा से पृथक कर दिया गया। उनका कहना है कि इस कार्रवाई से न केवल उनके संवैधानिक और श्रम अधिकारों का हनन हुआ, बल्कि उनके परिवारों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट भी खड़ा हो गया है। शिकायत में मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों एवं ठेका एजेंसी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई, श्रम कानूनों के पालन और प्रभावित कर्मचारियों को न्याय दिलाने की मांग की गई है। अब यह देखना होगा कि राज्य सरकार इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाती है।

गुरु पूर्णिमा पर योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद लेने गोरखपुर पहुंचे ज्ञान प्रकाश सिंह

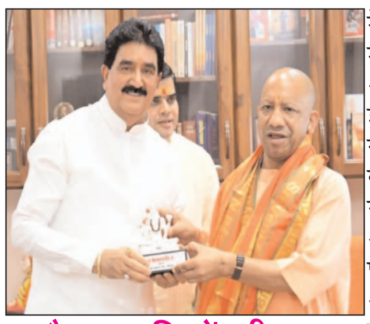

जौनपुरवासियों की तरफ से विकास के लिए जताया आभार

गोरखपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता तथा प्रख्यात समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखपुर में गौ पीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु का आशीर्वाद व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, आत्मविश्वास और सही दिशा लाता है। यही कारण है कि आज उन्होंने गोरखपुर आकर योगी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्हें पूरा विश्वास है कि यह आशीर्वाद उनके जीवन को नई ताकत, नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा और जनपद का विकास का संकल्प लेकर वे राजनीति में आए हैं। आज इसी संकल्प को और मजबूत करने का आशीर्वाद मिला। योगी आदित्यनाथ की सादगी, सरलता, सहजता और सहयोग करने की भावना से वे हमेशा प्रभावित रहे हैं और इसी को अपना मूल मंत्र मानकर आम जनता के बीच काम करने का प्रयास कर रहे हैं। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, विशाल बुनियादी ढांचे (एक्सप्रेसवे और हाईवे का जाल) का विकास और आर्थिक विकास हो रहा है। संगठित अपराध और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिससे राज्य में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश तेजी से उत्तम प्रदेश की तरफ बढ़ रहा है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि आज जौनपुर में तेजी के साथ विकास हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के सारे अधूरे कार्य पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने जौनपुर के लोगों की तरफ से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

टीच फॉर इंडिया दे रहा है एक बड़े काम का हिस्सा बनने का अवसर

TEACHFORINDIA

मुंबई। टीच फॉर इंडिया ने 2027 की फैलोशिप के लिए आवेदन 1 अगस्त से शुरू कर दिए हैं। यह दो वर्षीय, फुल-टाईम पेड टीचिंग फैलोशिप प्रोग्राम उन लीडर्स के राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने का एक मौका है, जो भारत में हर बच्चे तक बेहतरीन और समानतापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए काम कर रहे हैं। इस साल के लिए आवेदन एक बड़े काम का हिस्सा बनने का अवसर देने के सरल विचार के साथ मंगाए जा रहे हैं, ताकि शिक्षा क्षेत्र में ठोस और बेहतर परिवर्तन लाए जा सकें।

यह फैलोशिप हर साल 500 से अधिक कॉलेजों और 300 से अधिक कंपनियों से चुने गए 600 असाधारण प्रतिभा वाले लोगों को दी जाती है। फैलोशिप के लिए एक कठोर आवेदन प्रक्रिया का पालन किया जाता है, जो इस अभियान से सबसे होनहार और प्रतिभाशाली लोगों को जोड़ने के लिए तैयार की गई है। चुने गए लोगों को एक्सपर्ट्स विस्तृत प्रशिक्षण और नॉलेज प्रदान करेंगे ताकि वो कम आय वाले स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को हाई क्वालिटी की व्यावहारिक शिक्षा प्रदान कर सकें। इन फैलोज को स्टूडेंट्स को पढ़ाने और उनका विकास करने के लिए 9 शहरों के किसी एक स्कूल में भेजा जाएगा। वो स्टूडेंट्स को अपना भविष्य बनाने के लिए कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करेंगे। इन दो सालों में फैलोज को शिक्षा के क्षेत्र में देश में फैली असमानता को जानने व समझने का अवसर मिलेगा। वो वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए स्टूडेंट्स, पार्टनर्स और मुख्य इन्फ्लुएंसर्स के साथ मिलकर काम कर सकेंगे। आज नौ शहरों में स्थित क्लासरूम्स में 32,000 से अधिक स्टूडेंट्स को 1,000 से अधिक फैलो पढ़ाते हैं। 5,000 से अधिक पूर्वछात्रों ने स्वयं या साथ मिलकर 160 से अधिक सामाजिक संगठन स्थापित किए हैं। वो मिलकर भारत में 50 मिलियन बच्चों के जीवन में परिवर्तन ला रहे हैं।

इम्पैक्ट मिंट्स® ने रणवीर सिंह को भारत में अपना पहला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

मुंबई। जर्मनी के मशहूर मिंट ब्रांड इम्पैक्ट मिंट्स ने आज बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को भारत में अपना पहला नेशनल ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की। यह इम्पैक्ट मिंट्स® के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो आज भारत के सबसे पसंदीदा मिंट ब्रांड्स में से एक बन चुका है। रणवीर सिंह अपने शानदार अभिनय और जोशीले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनका उत्साह और लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता उन्हें इस ब्रांड के लिए बिल्कुल सही बनाती है। यह साझेदारी ब्रांड की युवा और बेबाक सोच को दर्शाती है और लोगों को हर दिन तरोताजा और आत्मविश्वास से भरा महसूस कराने के उसके वादे को मजबूत करती है। इस साझेदारी के मौके पर इम्पैक्ट मिंट्स® ने रणवीर सिंह को

लेकर एक नया ऐड फिल्म भी जारी किया है। इम्पैक्ट मिंट्स® का लक्ष्य देशभर में अपनी पहचान और बढ़ाना और दुकानों पर अपनी मौजूदगी मजबूत करना है, ताकि बिक्री लगातार बढ़ती रहे। यह साझेदारी ब्रांड के उस लक्ष्य को भी मजबूत करती है, जिसमें वह भारतीयों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में ताजगी को एक आदत बनाना चाहता है। ब्रांड चाहता है कि जब भी लोगों को ताजगी, आत्मविश्वास और सुविधा की जरूरत हो, वे सबसे पहले इम्पैक्ट मिंट्स® को ही चुनें। यह कैंपेन इस विचार को सामने लाता है कि ताजगी हर किसी के लिए जरूरी है। रणवीर सिंह इसमें दिखाते हैं कि इम्पैक्ट मिंट्स® रोजमर्रा के हर पल में आपका आसान साथी बन सकता है। चाहे आप शूटिंग पर जा रहे हों या दोस्तों से मिलने या फिर यात्रा कर रहे हों। कैंपेन का संदेश है कि आत्मविश्वास की शुरूआत तरोताजा महसूस करने से होती है। इम्पैक्ट मिंट्स® एक प्रीमियम और आसानी से साथ ले जाने वाला प्रोडक्ट है, जिसे हर तरह की जीवनशैली में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। आगे इम्पैक्ट मिंट्स® का लक्ष्य पूरे भारत में अपनी पहुंच बढ़ाना है। इसके लिए ब्रांड नए और स्वादिष्ट फ्लेवर, लिमिटेड एडिशन कलेक्टिबल्स और देशभर में मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क पर काम करेगा।

वसई में 7 अगस्त को गूंजेंगे कजरी के सुर, सुप्रसिद्ध गायिका संजोली पाण्डेय बिखेरेंगी लोक संगीत का जादू

वसई। उत्तर भारतीय लोक संस्कृति और सावन के पारंपरिक गीतों को जीवंत रखने के लिए संस्कार भारती प्रतिष्ठान व अभियान (रजि.) द्वारा आगामी 7 अगस्त 2026 को वसई में भव्य 'कजरी महोत्सव 2026' का आयोजन किया जा रहा है। सावन की रिमझिम में लोकगीतों की बहार विषय पर आधारित इस अनूठे सांस्कृतिक उत्सव में अयोध्या की सुप्रसिद्ध कजरी गायिका सुश्री संजोली पाण्डेय अपनी मधुर आवाज से समां बांधेंगी। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक और संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सचिव अखिलेश ज. मिश्रा ने बताया कि इस महोत्सव का उद्घाटन पूर्व राज्य मंत्री (महाराष्ट्र सरकार) अमरजीत मिश्रा करेंगे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नालासोपारा विधानसभा के आमदार राजन नाईक और विशेष अतिथि के रूप में आर.टी.आई. एक्टिविस्ट अनिल गलगली उपस्थित रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में संजीव सिंह मिश्रा शिरकत करेंगे। ट्रस्टी अशोक भाटिया, महेंद्र जोशी, रीता शुक्ला, रामनारायण तिवारी सहित संस्था की पूरी टीम (राधेश्याम शुक्ला, विनोद कुमार, विशाल रा. जोशी, गोपी मेनन, रामानुजम, गिरीश ठाकुर, देवेंद्र खन्ना, संजीव ठाकुर, राहुल सिंह, राममोहन तिवारी और डॉ. सोमेश पांडेय) इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है। उक्त आशय की जानकारी संस्कार भारती प्रतिष्ठान की ओर से अशोक भाटिया द्वारा दी गयी है।

लोककल्याण की कामना संग योगी ने टेका बाबा विश्वनाथ के दर पर माथा

वाराणसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम और काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि तथा लोककल्याण की कामना की। श्रावण मास की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री का यह काशी प्रवास आध्यात्मिक आस्था और जनकल्याण के संदेश के रूप में देखा गया। मुख्यमंत्री सबसे पहले बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद योगी आदित्यनाथ श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। गर्भगृह में उन्होंने षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन किया और प्रदेश तथा राष्ट्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं लोकमंगल की प्रार्थना की। उनके दर्शन के दौरान धाम परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद अधिकारियों के साथ श्रावण मास की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सावन में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुगम दर्शन, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सहायता और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि श्रद्धालुओं को सहज एवं व्यवस्थित दर्शन का लाभ मिल सके। दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद बच्चों को चॉकलेट वितरित की और स्नेहपूर्वक दुलार किया। उनके इस आत्मीय व्यवहार से बच्चे और उनके परिजन उत्साहित दिखाई दिए। पूजन-अर्चन के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सांसद तरुण चुग तथा प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप को भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप (जीईजी) के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कारोबार को जीएमआर विशाखापटनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीवीआईएएल) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) से भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एकीकृत सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण अनुबंध मिला है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और नई पीढ़ी की विमानन परिसंपत्तियों की सुरक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी मजबूत स्थिति को और बेहतर बनाया है। करीब 6 करोड़ रुपये मूल्य के इस ठेके के तहत हवाई अड्डे के पूरे परिसर में परिधि सुरक्षा, वाहनों की जांच, प्रवेश नियंत्रण और संभावित खतरों की पहचान को मजबूत बनाने के लिए अत्याधुनिक सुरक्षा समाधानों का व्यापक पैकेज उपलब्ध कराया जाएगा। जीएमआर और एलएंडटी, दोनों से एक साथ यह जिम्मेदारी मिलना गोदरेज की मजबूत हितधारक भागीदारी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पूरी मूल्य श्रृंखला में प्रभावी सहयोग क्षमता का प्रमाण है। इसमें एयरपोर्ट डेवलपर्स, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन साझेदार, सलाहकार, सुरक्षा एजेंसियां और परियोजना प्रबंधन टीमें शामिल हैं। समाधान-आधारित रणनीति और ग्राहकों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से कंपनी ने इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए एयरपोर्ट ऑपरेटर और ईपीसी ठेकेदार, दोनों से अनुबंध हासिल किया।

पालघर में 105 .10 करोड़ रुपये की किसान ऋणमाफी, 5,394 किसानों का आधार सत्यापन पूर्ण

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन की महत्वाकांक्षी पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान ऋणमुक्ति योजना-2026 के तहत पालघर जिले के पात्र किसानों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। जिले में कुल 105 करोड़ 10 लाख 70 हजार रुपये की कृषि ऋण राशि माफ की जायेगी। अब तक 5,394 किसानों ने आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि 5,090 किसानों का सत्यापन अभी शेष है। जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे योजना का लाभ लेने के लिए जल्द से जल्द आधार प्रमाणीकरण पूरा करें। जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में प्रशिक्षणाधीन आईएएस अधिकारी पी. वी. अमल, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे तथा जिला उपनिबंधक किशन रत्नाले भी उपस्थित थे। जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने 2 जून 2026 को इस योजना की घोषणा की थी। योजना के अंतर्गत कर्जमाफी, वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) तथा समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों के लिए प्रोत्साहन अनुदान जैसे तीन प्रमुख प्रावधान किये गये हैं। योजना के तहत 2 लाख रुपये तक का फसल ऋण माफ किया जायेगा। इसके लिए 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2025 के बीच वितरित फसल ऋण तथा पुनर्गठित ऋण पात्र होंगे। 30 सितंबर 2025 तक बकाया और 31 मार्च 2026 तक न चुकाए गए ऋण की अधिकतम 2 लाख रुपये तक की राशि माफ की जायेगी। जिन किसानों पर 2 लाख रुपये से अधिक का बकाया है, उन्हें वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) का लाभ मिलेगा। ऐसे किसानों को 2 लाख रुपये से अधिक की राशि 31 मार्च 2027 तक बैंक में जमा करनी होगी, जिसके बाद उन्हें 2 लाख रुपये तक की ऋणमाफी का लाभ मिलेगा। सरकार समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को भी प्रोत्साहित करेगी। वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में से किसी भी दो वर्षों में फसल ऋण लेकर समय पर भुगतान करने तथा 2025-26 का ऋण भी निर्धारित समय में चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा। पालघर जिले से कुल 14,053

ऋण खातों की जानकारी योजना के लिए भेजी गई है, जिनमें 13,071 खाते ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक तथा 982 खाते वाणिज्यिक बैंकों के हैं। पहले चरण में 10,484 खातों को आधार प्रमाणीकरण के लिए सूचीबद्ध किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि एनपीए खातों के लिए भी सरकार ने विशेष रियायत का प्रावधान किया है। साथ ही 1 अप्रैल 2026 के बाद पात्र किसानों के ऋण खातों पर अतिरिक्त ब्याज नहीं लगाने के निर्देश भी बैंकों को दिए गये हैं। तहसीलवार आधार प्रमाणीकरण की स्थिति में वाडा (1,031), पालघर (1,012), विक्रमगढ़ (863), मोखाडा (817) और डहाणू (677) सबसे आगे हैं। वहीं मोखाडा में 1,655, डहाणू में 1,268, तलासरी में 732, जव्हार में 507, पालघर में 327, वाडा में 314, विक्रमगढ़ में 263 तथा वसई में 24 किसानों का आधार प्रमाणीकरण अभी शेष है। जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने किसानों से अपील की कि वे बिना देरी किये आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि उन्हें राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण ऋणमुक्ति योजना का लाभ समय पर मिल सके।

वेदांता आयरन एंड स्टील का पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन

मुंबई। भारत की इंटीग्रेटेड आयरन ओर एवं स्टील कंपनियों में शुमार वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआईएसएल) ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही में मजबूत फाइनेंशियल एवं ऑपरेशनल परफॉर्मेंस दर्ज किया है। यह प्रदर्शन आयरन ओर (लौह अयस्क) के अधिक उत्पादन, पिग आयरन के रिकॉर्ड उत्पादन, ऑपरेटिंग एफिशिएंसी में सुधार और कंपनी के विभिन्न कारोबार के बीच अनुशासित तरीके से एक्जीक्यूशन (क्रियान्वयन) से संभव हुआ है।

समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का राजस्व 3,662 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। वहीं एबिटडा 54 प्रतिशत बढ़कर 515 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो कंपनी के सभी कारोबार में मजबूत ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस दिखाता है। एबिटडा मार्जिन भी 322 बेसिस पॉइंट बढ़कर 14 प्रतिशत हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 11 प्रतिशत था। बीती तिमाही में वीआईएसएल ने 121 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि सालभर पहले इसी अवधि में कंपनी को 145 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। यह कंपनी के इंटीग्रेटेड बिजनेस मॉडल की मजबूती और उसकी रेजिलिएंस को दर्शाता है। कंपनी के प्रमुख कारोबार की प्रोफिटेबिलिटी (लाभप्रदता) बढ़ी है। स्टील कारोबार का एबिटडा मार्जिन 5,864 रुपये प्रति टन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है। वहीं आयरन ओर कारोबार का एबिटडा मार्जिन 17 प्रतिशत बढ़कर 1,295 रुपये प्रति टन हो गया। वित्तीय नतीजों पर टिप्पणी करते हुए वेदांता आयरन एंड स्टील के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक पंकज कुमार शर्मा ने कहा, पहली तिमाही में हमारा मजबूत प्रदर्शन आयरन ओर के अधिक उत्पादन, पिग आयरन के रिकॉर्ड उत्पादन और अनुशासित तरीके से क्रियान्वयन का नतीजा है। हम प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, विकास परियोजनाओं को आगे ले जाने और दीर्घकालिक सतत मूल्य (सस्टेनेबल लॉन्ग टर्म वैल्यू) सृजन पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। तिमाही के दौरान कंपनी की वित्तीय स्थिति भी मजबूत हुई है। नेट डेट-टू-एबिटडा अनुपात सुधरकर 1.3 गुना हो गया, जबकि नकद एवं नकद समकक्ष (कैश एंड कैश इक्विवेलेंट) राशि बढ़कर 1,018 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

कंपनी की बेहतर होती वित्तीय स्थिति और कारोबारी मजबूती को देखते हुए क्रिसिल ने इस तिमाही में वीआईएसएल की एए/स्टेबल क्रेडिट रेटिंग को बरकरार रखा है।

ऑपरेशनल एक्सीलेंस के कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को लगातार सपोर्ट मिला है। तिमाही के दौरान आयरन ओर, पिग आयरन और स्टील उत्पादन में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं।

वीआईएसएल ने 291 किलोटन पिग आयरन का अब तक का सर्वाधिक तिमाही उत्पादन दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस की बेहतर एफिशिएंसी का नतीजा है।

भारतीय कारोबारों के लिए स्मार्ट कॉमर्स और पेमेंट्स को नई गति देने हेतु NTT DATA पेमेंट सर्विसेज ने ADAPTIS की शुरूआत

मुंबई। भारत में डिजिटल कॉमर्स का विस्तार तेजी से हो रहा है, ऐसे में कारोबारी और कंपनियां अब ऐसे एकीकृत समाधानों की तलाश कर रही हैं, जिनके जरिए उन्हें पेमेंट, कॉमर्स और बिजनेस संचालन से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर मिल सकें। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए NTT DATA पेमेंट सर्विसेज इंडिया ने आज पेमेंट और कॉमर्स समाधान के लिए अपने नए एकीकृत सर्विस ब्रांड ADAPTIS की शुरूआत की। इस लॉन्च के साथ NTT DATA पेमेंट सर्विसेज इंडिया ने भुगतान स्वीकार करने की सेवाओं, व्यापारियों के लिए समाधान, वैल्यू-एडेड सर्विसेज और कॉमर्स से जुड़ी अपनी सभी

सुविधाओं को एक ही ब्रांड के तहत उपलब्ध करा दिया है।

ADAPTIS को स्थानीय दुकानदारों, तेजी से बढ़ रहे एमएसएमई (MSMEs) और बड़े उद्यमों सहित हर तरह के कारोबार की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह प्लेटफॉर्म व्यापारियों को पेमेंट स्वीकार करने, अपने कारोबार का संचालन आसान बनाने, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों पर ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने और बिजनेस से जुड़ी गतिविधियों पूरी को एक ही एकीकृत प्लेटफॉर्म के जरिए संचालित करने में मदद करता है।

लॉन्च के अवसर पर, NTT DATA पेमेंट सर्विसेज इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक एवं CEO, ताकेओ उएनो ने कहाः भारत हमारी क्षेत्रीय विकास रणनीति का एक अहम बाजार है, जो डिजिटल तकनीक को अपनाने और व्यापारियों की बदलती जरूरतों से आगे बढ़ रहा है। ADAPTIS के माध्यम से हम अपनी वैश्विक विशेषज्ञता और भारतीय बाजार की गहरी समझ को एक साथ जोड़ते हुए, हर तरह के व्यवसाय के लिए सुरक्षित, विस्तार योग्य और ग्राहक-केंद्रित कॉमर्स समाधान उपलब्ध करा रहे हैं। यह लॉन्च व्यापारियों तक अपनी पहुंच का विस्तार करने, अपने साझेदारों के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने तथा भारत के डिजिटल भुगतान क्षेत्र के निरंतर विकास को गति देने की हमारी लंबे समय तक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिनिचिरो निशिकावा, प्रमुख, ग्लोबल पेमेंट्स स्ट्रैटेजी एंड ट्रांसफॉर्मेशन सेक्शन, NTT DATA जापान ने कहाः भारत में ADAPTIS का लॉन्च विभिन्न देशों में एकीकृत पेमेंट और कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित करने के हमारे विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपनी सभी क्षमताओं को एक ही ब्रांड के तहत लाकर हमारा उद्देश्य व्यापारियों को एक जैसा, उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव प्रदान करना है, साथ ही प्रत्येक स्थानीय बाजार की अलग-अलग जरूरतों के अनुसार समाधान उपलब्ध कराने का लचीलापन भी बनाए रखना है।

NTT DATA पेमेंट सर्विसेज इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी राहुल जैन ने कहा ADAPTIS हमारे कारोबार को लंबी अवधि के सतत विकास की दिशा में मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी सभी क्षमताओं को एकीकृत ब्रांड के तहत लाकर हम अपने साझेदारों को अधिक मूल्य प्रदान करने के साथ-साथ भारत भर के व्यापारियों की बदलती जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करने की स्थिति में हैं।

भारत के भुगतान क्षेत्र में लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, NTT DATA पेमेंट सर्विसेज इंडिया वर्तमान में लाखों व्यापारियों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है और हर वर्ष 10 करोड़ (100 मिलियन) से अधिक लेनदेन प्रोसेस करती है। यह सब सुरक्षित, PCI-DSS मानकों के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर और अत्याधुनिक तकनीक के सहयोग से हो रहा है।

टोयोटा ने ऑल-न्यू हाइलक्स लॉन्च की

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज प्रतिष्ठित ऑल न्यू हाइलक्स के लॉन्च की घोषणा की, जो भारत में अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। टोयोटा की विरासत में शामिल विश्वसनीयता, मजबूती और गुणवत्ता का प्रतीक, नौवीं पीढ़ी की हाइलक्स रग्ड ड्यूरेबिलिटी और हमेशा तैयार रहने वाली क्षमता को जोड़ते हुए बहुउद्देशीय परफॉर्मेंस देने के लिए इंजीनियर की गई है।

आईएमवी प्लेटफॉर्म पर आधारित, ऑल न्यू हाइलक्स को इस तरह विकसित किया गया है कि यह असाधारण ऑल राउंड उपयोगिता प्रदान करे। यह हेवी ड्यूटी कार्यों के लिए बेहद टिकाऊ है, शहरी ड्राइविंग के लिए आरामदायक है और हल्के एडवेंचर के लिए सक्षम है। यह लचीलापन टोयोटा की मोबिलिटी फॉर ऑल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, साथ ही अपनी विश्वसनीयता के माध्यम से ग्राहकों के साथ आजीवन संबंधों को गहरा करता है। नए लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, मसाकाजु योशिमुरा, चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफि सर, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में, कस्टमर सेंट्रिसिटी का मतलब है आज ग्राहकों की जरूरतों को समझना और कल उनकी आकांक्षाओं के लिए तैयार रहना। भारत में लगभग तीन दशकों से मौजूदगी के साथ, हम लगातार अपने ग्राहकों की बात सुनकर, भविष्य में निवेश करके और भरोसे, क्वालिटी और रिलायबिलिटी पर आधारित मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्रदान करके आगे बढ़ते जा रहे हैं। मोबिलिटी फॉर ऑल की हमारी विजन से प्रेरित होकर, हम लंबे समय तक मूल्य निर्माण करने और ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पीढ़ियों तक ग्राहकों का विश्वास अर्जित करें।